

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: वीफ बॉक्स :

चुनाव आयोग का फॉर्म-6 पर बड़ा फैसला

विवाद के बाद ऐलान- नए वोटरों को नहीं देनी होगी अतिरिक्त जानकारी



नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 को लेकर बड़ा फैसला लिया है। इलेक्शन कमीशन ने कहा कि फॉर्म 6 के साथ अतिरिक्त डिक्लरेशन की जरूरत नहीं है। अब नए वोटरों को अतिरिक्त जानकारी नहीं देनी होगी। कांग्रेस ने वोटर लिस्ट के एसआईआर प्रक्रिया में नए वोटरों को जोड़ने के लिए 'फॉर्म 6' से जुड़े बदलावों पर चिंता जताई थी। इस मुद्दे पर बवाल बढ़ने पर चुनाव आयोग ने अहम निर्णय लिया है। अब नए वोटरों को अतिरिक्त जानकारी नहीं देनी होगी।

अतिरिक्त जानकारी देना जरूरी नहीं: चुनाव आयोग : देश में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में फॉर्म-6 को लेकर मचे घमासान को लेकर चुनाव आयोग ने अहम फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि अब उन राज्यों में नए वोटर बनने के लिए फॉर्म-6 के साथ अतिरिक्त घोषणा पत्र यानी Annexure-D देना जरूरी नहीं होगा, जहां S1R पूरा हो चुका है।

दावा-पायलट ने दुर्घटना अवीव फ्लाइट क्रैश करने की कोशिश की



रियाद,एजेंसी। दुर्घटना से तेल अवीव जा रही फ्लाइटदुर्घटना की फ्लाइट में एक पायलट के विमान क्रैश करने की कोशिश करने का दावा सामने आया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के एक पत्रकार के मुताबिक, दूसरे पायलट और कुछ यात्रियों ने हाथापाई कर उसे रोक लिया। इसके बाद विमान से हाईजैक का अलर्ट भेजा गया, जिसके बाद इजराइल ने फाइटर जेट भेजे। विमान ने रास्ता बदलकर सऊदी अरब के तबूक एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। पायलट के विमान क्रैश करने की कोशिश के दावे की अभी पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, इजराइली अधिकारियों ने विमान में पायलटों के बीच हाथापाई की घटना की पुष्टि की है।

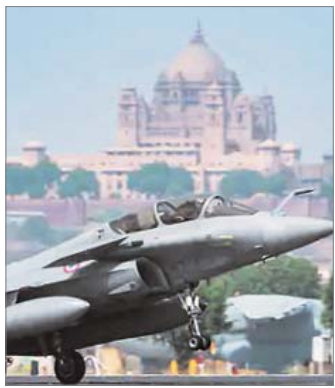
जिनपिंग के बांडीगार्ड की पहचान उजागर

व्हाइट हाउस की गेस्ट लिस्ट में नाम-पद सामने आया, मोदी-जिनपिंग की बैठक में भी मौजूद थे



बीजिंग,एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई साल से एक अधिकारी विदेश दौरे और बड़ी बैठकों में नजर आता रहा है। वह कभी शी के पीछे खड़ा दिखा तो कभी उनके साथ मोटिंग में बैठ नजर आया। लेकिन चीन ने कभी सार्वजनिक तौर पर नहीं बताया कि वह कौन है और क्या जिम्मेदारी संभालता है। अब उसकी पहचान सामने आई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने शी जिनपिंग के सम्मान में पिछले हफ्ते अमेरिका में एक खास रात्रिभोज आयोजित किया था। इसमें शामिल चीनी मेहमानों की लिस्ट व्हाइट हाउस ने जारी की। इसी लिस्ट से पहली बार झोउ होंगशू का नाम और उनका पद सामने आया। होंगशू को सेंट्रल गार्ड ब्यूरो का डायरेक्टर बताया गया है।



जोधपुर,एजेंसी। जोधपुर में 8 देशों की तरंगशक्ति एक्सरसाइज में दुनिया के सबसे खतरनाक 60 से 80 फाइटर जेट्स एक साथ उड़ान भरेंगे। भारत में मौजूद फ्रांस एंबेसी ने इसकी जानकारी दी।

मंगलवार को एक्सरसाइज के चौथे दिन सुखोई ने राफेल फाइटर को लीड किया। फ्रांस के एयरबस A-400M और एयरबस A-330 मल्टी रोल टैंकर भी शामिल हैं।

जोधपुर- एक साथ उड़ेंगे दुनिया के सबसे खतरनाक 80-फाइटर जेट

● 40 हजार फीट पर फ्यूल भरने की प्रैक्टिस



ट्रॉसपोर्ट (MRTT) ने भी एक्सरसाइज में हिस्सा लिया। वहीं 40 हजार फीट की ऊंचाई पर A-400 ने और फाइटर जेट राफेल में फ्यूल भरने की प्रैक्टिस की। 12 अक्टूबर तक चलने वाले वायुसेना के इस युद्धाभ्यास में अमेरिका के एफ-35 जेट और भारत के तेजस फाइटर जेट के अलावा ट्रॉसपोर्ट विमान भी शामिल हैं।

योगी बोले- संतों ने हिंदू समाज की एकता बनाए रखा

गोरखपुर में गुरु को श्रद्धांजलि दी; जनता दर्शन में 150 लोगों की समस्याएं सुनीं

गोरखपुर,एजेंसी। सीएम योगी गोरखपुर में तीसरे दिन बुधवार को महंत अवैद्यनाथ की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। योगी ने कहा- संतों ने हिंदू समाज की एकता को बनाए रखा है।

उन्होंने कहा- महंत दिग्विजयनाथ जहां हिन्दू समाज की एकता के प्रचंड हिंदुत्व के वेग को आगे बढ़ाने के पक्षधर थे। वहीं महंत अवैद्यनाथ जी महाराज उस प्रचंड वेग को आगे बढ़ाने के लिए बिखरी हुई हिंदू ताकत को फिर से एकजुट करने के लिए सामाजिक समता रूपी माहौल को एकजुट करने के लिए अहर्निश प्रयास किए।



सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जा के वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

इससे पहले गोरखनाथ मंदिर में विशेष पूजा की.. अर्चना की और गाय को गुड़ और रोटी खिलाई। फिर गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम ने 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान के प्रति आश्वासन दिया। उन्होंने लोगों से कहा- चिंता मत करिए, सरकार हर व्यक्ति की समस्या का समाधान करेगी।

3000 करोड़ की ड्रग्स के साथ 5 पाकिस्तानी गिरफ्तार

● ईरानी नाव से मुंबई जा रहे थे ● लक्षद्वीप के पास कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस ने पकड़ा



मुंबई,एजेंसी। ईरानी नाव में ३,000 करोड़ की ड्रग्स के साथ 5 पाकिस्तानी नागरिकों को कोस्ट गार्ड और गुजरात ATS ने गिरफ्तार किया है। पांचों आरोपी 526 किलो मेथामफेटामाइन और हेरोइन की समुद्री रास्ते से मुंबई ले जा रहे थे।

सिक्योरिटी फोर्स ने यह कार्रवाई लक्षद्वीप के पास 25 सितंबर को की थी। हालांकि, इसकी जानकारी बुधवार को सामने आई। इससे पहले अप्रैल 2025 में भी गुजरात टट के पास, ड्रग्स और भारतीय तरफ़ से बल ने करीब 311 किलो मेथामफेटामाइन जब्त की थी, जिसकी कीमत 21,800 करोड़ बताई गई। यह खेप पाकिस्तान के पसनी पोर्ट से तमिलनाडु ले जाना था। सुरक्षाबलों को देखकर तस्करो ने ड्रग्स समुद्र में फेंक दी और पाकिस्तान की समुद्री सीमा की ओर भाग गए।

नाव को मुंबई लाया गयो...

खुफिया सूचना मिलने के बाद तटरक्षक बल ने समुद्र और हवा से निगरानी की। सदिग्ध नाव को लक्षद्वीप के पश्चिम में रोककर तलाशी ली गई।

नाव, चालक दल और ड्रग्स को सुरक्षा के बीच मुंबई लाया गया है, जहां पुछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई होगी। अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्रवाई से समुद्री रास्ते से होने वाली अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर कमांडर हाशिम मूसा ढेर, जंगल में छिपा

एनकाउंटर में मारा गया; सेना ने सितंबर में 5 आतंकी मार गिराए

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में सुरक्षाबलों ने मंगलवार देर रात लश्कर-ए-तैयबा के एक टॉप कमांडर हाशिम मूसा को मार गिराया। मुठभेड़ यूसमार्ग के कोराग इलाके में हुई। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF को यहां आतंकियों की मौजूदगी का इनपुट मिला था, जिसके बाद जॉइंट सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तलाशी के दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी थी।

सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक मारे गए आतंकी की



पहचान मूसा के तौर पर हुई है। अलग-अलग रिपोर्टों में उसका नाम सुलेमान शाह उर्फ मूसा, फौजी मूसा और मोहम्मद आसिफ उर्फ हाशिम मूसा बताया गया है। इंडियन आर्मी ने इस एनकाउंटर को ऑपरेशन कोराग नाम दिया। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

आतंकियों सद्दाम और मुस्तफा को ढेर किया गया। एक आतंकी का सड़ा हुआ शव इसी महीने मिला था।

जुनैद रमजान को दिसंबर 2024 में ही मार दिया था। उसके मोबाइल से सुरक्षाबलों को इन चारों की एक तस्वीर मिली, जिससे एजेंसियों को गुप और उसके नेटवर्क की अहम जानकारी मिली। इसके बाद ताल्हा को अप्रैल 2025 में ढेर कर दिया गया। 5 सितंबर के ऑपरेशन में यासिर मारा गया था और मूसा बच निकला था।

4 साल से एक्टिव लश्कर के 4 आतंकियों का गुप खत्म...

आतंकी हाशिम मूसा पाकिस्तानी नागरिक बताया गया है। सुरक्षा एजेंसी सूत्रों के मुताबिक, वह पाकिस्तान आर्मी के रस्क का पूर्व पैरा-कमांडो था। 2022 में घुसपैठ के जरिए कश्मीर घाटी में दाखिल हुआ था। सुरक्षा एजेंसियों की नजर 2022 से जम्मू-कश्मीर में एक्टिव लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के 4 आतंकियों के गुप पर थी। इसमें जुनैद रमजान अहमद, अबू ताल्हा, यासिर और हाशिम मूसा शामिल थे।

इंडी गठबंधन की बैठक में एसआईआर, ईवीएम और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने पर सहमति



घंटे तक चली। बैठक में एसआईआर, ईवीएम-वीवीपैट, मतदाता सूची और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तुणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार

गुट), शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), राष्ट्रीय जनता दल, माकपा, भाकपा, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भाकपा (माले), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (एम), एमडीएमके, बीसीके, आरएसपी, केरल कांग्रेस (जे) और अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक सहित 20 विपक्षी राजनीतिक दल शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकार वार्ता में कहा कि गठबंधन के सभी दल इन मुद्दों पर मिलकर लड़ेंगे।

भाजपा संसदीय बोर्ड में आधे सदस्य बदले जा सकते हैं

येदियुरप्पा और जटिया को हटाया जा सकता है, दोनों की उम्र 80 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा में पार्टी पदाधिकारियों, राज्य प्रभारियों और संगठन मंत्रियों की नियुक्ति के बाद अब संसदीय बोर्ड, केंद्रीय चुनाव समिति और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा होगी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने पार्टी से जुड़े निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था संसदीय बोर्ड के गठन की प्रारंभिक कवायद शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसकी घोषणा पितृ पक्ष के बाद अक्टूबर में कर दी जाएगी। बताया



जा रहा है कि 12 सदस्यीय संसदीय बोर्ड में आधे सदस्यों को बदला जा सकता है। बीएस येदियुरप्पा और डॉ. सत्यनारायण जटिया को हटाया जा सकता है। इन्हें जाति, वर्ग और क्षेत्रीय समीकरणों में फिट नेताओं को जगह दी जा सकती है। येदियुरप्पा और जटिया को बोर्ड से

एक महामंत्री और महिला नेता को संसदीय बोर्ड में मिल सकती है जगह... एक महामंत्री को भी स्थान दिए जाने पर विचार किया जा सकता है। पार्टी में विनोद तावड़े और सुनील बंसल सबसे वरिष्ठ महामंत्री या किसी अन्य महामंत्री को लिया जा सकता है। वहीं, लंबे समय बाद संसदीय बोर्ड में मुख्यमंत्री को भी सर्वोच्च संस्था में स्थान दिया जा सकता है।

हटाने के पीछे उनकी अधिक उम्र होने की दलील दी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अजमेर में इजरायली महिला से छेड़छाड़, वीडियो वायरल होने के बाद चार आरोपितों को दबोचा



अजमेर, एजेंसी। इजरायली महिला पर्यटक से अभद्रता के बहुप्रसारित वीडियो पर अजमेर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। महिला पर्यटक जब किशनगढ़ डीपिंग यार्ड में वीडियो बना रही थी, तब कुछ युवकों ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और अश्लील टिप्पणियां कीं। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित होने के बाद अजमेर पुलिस ने स्वतः संज्ञान लिया और मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, बहुप्रसारित वीडियो में कुछ युवक विदेशी महिला पर्यटक के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते और आपत्तिजनक टिप्पणियां करते दिखाई दे रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद गांधीनगर थाना पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई और घटना में शामिल युवकों की पहचान के लिए तकनीकी साधनों का विश्लेषण शुरू किया। एसपी अजमेर हर्षवर्धन अग्रवाल के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद फुरखान, मोहम्मद अनीस, फरहान और अख्तर अली शामिल हैं। सभी किशनगढ़ क्षेत्र के निवासी हैं। पकड़े गए आरोपितों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

रायपुर में इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा रीजीपीएससी भर्ती घोटाले का आरोपित खाता दिखा लड़ जेल प्रहरी बर्खास्त



रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाले में जेल में बंद आयोग के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी को आंबेडकर अस्पताल में वीआईपी सुविधा दिए जाने का मामला सामने आया है। अस्पताल के कर्डीयोलॉजी विभाग का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इसमें सोनवानी अपनी पत्नी और बेटे के साथ बैठे बातचीत करते और लड्डु खाते दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद जेल अधीक्षक ने एक जेल प्रहरी को सेवा से बर्खास्त कर दिया है, जबकि दो की बर्खास्तगी के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखा है। सोनवानी को बीते माह पेसमेकर लगाया गया था। इसके फालोअप के लिए आरोपित को अस्पताल लाया गया था। आरोप है कि उनके अस्पताल पहुंचने की जानकारी पहले ही स्वजन को दे दी गई थी। उन्हें ओपीडी गेट से प्रवेश कराने के बाद कर्डीयोलॉजी विभाग के बरामदे में बैठाया गया। करीब 10 मिनट बाद उनकी पत्नी और बेटा वहां पहुंचे। दोनों ने करीब 15 मिनट तक सोनवानी से बातचीत की। इसी दौरान एक रेजीडेंट डॉक्टर ने बाहर आकर उनकी फाल्स देखी। अस्पताल में सोनवानी के कहने पर आरक्षक ने हथकड़ी खोल दी। पत्नी ने लड्डु निकाले और दोनों ने साथ बैठकर लड्डु खाए। इस दौरान पत्नी फोन पर बातचीत करती रहीं, जबकि सोनवानी बेटे से मामले को लेकर चर्चा करते दिखाई दिए।

यूट्यूबर के घर करोड़ों की चोरी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर ‘दिखावा’ पड़ा भारी



नागकोइल, एजेंसी। तमिलनाडु में यूट्यूबर के घर हुई एक करोड़ की चोरी के मुख्य आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर कीमती सामान का बड़ा हिस्सा बरामद कर लिया। यूट्यूबर अवसर शैलस और वीडियो अपलोड करती थी, जिनमें रुपये की गड़ियां, हर महीने खरीदी गई सोने की चीजें और अपने परिवार के घूमने-फिरने की जगहों और आउटिंग की लाइव अपडेट दिखाती थी। जांचकर्ताओं को शक है कि इन ऑनलाइन पोस्ट की वजह से घर आसानी से निशाना बन गया होगा, क्योंकि इनसे घर में मौजूद संपत्ति और घर के खाली रहने के सही समय का पता चल गया होगा।

नाशते के बाद करेगी चेक-आउट कहकर फरार हुआ प्रेमी, होटल में पड़ी मिली बैंककर्म की लाश

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां के एक होटल के कमरे में 34 वर्षीय बैंककर्म महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया है और मुत्तिका के साथ उठरे मुख्य आरोपी की तलाश तेज कर दी है। जुबली हिल्स के डीसीपी ए. रमना रेड्डी ने बताया कि मृत महिला की पहचान बी सिरिशा के रूप में हुई है, जो बिकाराबाद जिले के नगासमुद्रम की रहने वाली थीं और बैंक में कस्टमर-केयर एक्जीक्यूटिव के रूप में काम करती थीं। सिरिशा ने 24 सितंबर को ए. श्रीनिवास नामक व्यक्ति के साथ एसआर नगर स्थित गोकुल प्राइड होटल में चेक-इन किया था।

फर्जी नामों से ली थी होटल में एंट्री: पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों ने होटल में कमरा लेते समय फर्जी नाम



हैदराबाद

नाशते के बाद करेगी चेक-आउट कहकर फरार प्रेमी, होटल में पड़ी मिली बैंककर्म की लाश

और पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था। होटल रिकॉर्ड के मुताबिक, श्रीनिवास ने अपना नाम 'गणेश' और सिरिशा का नाम 'दुर्गा' दर्ज कराया था। दोनों होटल के कमरा नंबर 10 में ठहरे हुए थे।

कैसे हुआ मामले का खुलासा: मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार तड़के करीब 3:30 बजे श्रीनिवास ने रिसेशन पर यह कहकर होटल छोड़ा कि सिरिशा सुबह नाश्ता करेंगी और उसके बाद चेक-आउट करेंगी। ऐसे

में जब काफी देर तक कमरे से कोई जवाब नहीं आया और बार-बार फोन करने पर भी दरवाजा नहीं खुला, तो होटल स्टाफ को शक हुआ। इसके बाद स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस की मौजूदगी में जब मास्टर चाबी से कमरा खोला गया, तो बेड पर सिरिशा का शव मिला।

पुलिस हत्या का दर्ज किया मामला: दूसरी ओर, डीसीपी रमना रेड्डी ने बताया कि हमें शक है कि रात में सिरिशा और श्रीनिवास के बीच किसी बात पर तीखी बहस हुई होगी, जिसके बाद उसने किसी भारी या नुकीली चीज से सिरिशा पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसी बात के मद्देनजर, फिलहाल एसआर नगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की गहन छानबीन जारी है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को मुत्तिका के शरीर पर कई चोट के निशान मिले हैं।

आशंका जताई जा रही है कि हत्या के लिए पर्दे की रॉड का इस्तेमाल किया गया हो, हालांकि मौत के असली कारणों का खुलासा अंतिम पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

जाच में जुटी पुलिस: गौरतलब है कि पुलिस की 'क्लूज टीम' ने मौके पर पहुंचकर फिंगरप्रिंट और अन्य फोरेंसिक सबूत जुटाए हैं। होटल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी के आने-जाने के समय और पूरी घटनाक्रम को समझा जा सके। आरोपी श्रीनिवास को पकड़ने के लिए पुलिस की विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस दस्तावेजों में नाम (दुर्गा) और अस्पताल के रिकॉर्ड (सिरिशा) में सामने आई भिन्नता की भी जांच कर रही है। इसके अलावा, पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या मुत्तिका का अपने पति द्वारा पहले कथित तौर पर किए गए हमले और इस घटना से कोई पुराना कनेक्शन है या नहीं।

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला: स्त्रीधन वसूली के लिए हिरासत में पूछताछ अनावश्यक, 80 वर्षीय ससुर को अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपित 80 वर्षीय आरोपित ससुर को अग्रिम जमानत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सिर्फ स्त्रीधन (महिला की निजी संपत्ति) की रिकवरी के लिए हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऐसी रिकवरी जमानत देने वाली अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। साथ ही न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने जांच अधिकारी के उस दावे पर भी सवाल उठाया कि एक बुजुर्ग आरोपी जांच में शामिल नहीं हुआ था। अदालत ने रिकार्ड पर लिया कि नोटिस जबानी तौर पर दिए गए थे और कोई केस डायरी पेश नहीं की गई थी।

80 साल के ससुर को अग्रिम जमानत: पीठ ने उक्त टिप्पणी लगभग 80 साल के ससुर को अग्रिम जमानत देते हुए की। यह मामला वैवाहिक विवाद से जुड़ा है और इसमें



भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने स्त्रीधन की रिकवरी के लिए कोई उचित कानूनी कार्रवाई शुरू नहीं की थी। प्राथमिकी शुरू में शिकायतकर्ता ने अपने ससुर के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। अदालत ने रिकार्ड पर लिया कि जांच अधिकारी ने शुरू में कहा था कि बार-बार नोटिस देने के बावजूद आरोपित जांच में शामिल नहीं हुआ। हालांकि, जब नोटिस दिखाने के लिए कहा गया, तो अधिकारी ने कहा

कि वे जबानी तौर पर दिए गए थे। कोर्ट ने आगे कहा कि नोटिस से जुड़ी कोई केस डायरी पेश नहीं की गई और जांच अधिकारी की कार्रवाई भरोसे के लायक नहीं लगी। हिरासत में पूछताछ के मुद्दे पर, कोर्ट ने गौर किया कि इसका एकमात्र मकसद शिकायतकर्ता के स्त्रीधन की रिकवरी बताया गया था।

पीठ ने कहा कि इस मकसद के लिए हिरासत में पूछताछ बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा कि स्त्रीधन न लौटाने का मामला

उसकी रिकवरी के लिए जमानत देने वाली अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। प्राथमिकी के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि आरोपित ने कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। हालांकि, आरोपित ने तर्क दिया कि उसके बेटे (जो शिकायतकर्ता का पति है) पर उनके वैवाहिक विवाद के सिलसिले में दबाव बनाने के लिए आरोप लगाए गए थे। अभियोजन पक्ष ने अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि हिरासत में पूछताछ अधिक असरदार होती है और जांच अभी शुरूआती चरण में है। हालांकि, पीठ ने रिकार्ड पर लिया कि यौन अपराध मई 2022 या उससे पहले हुए बताए गए, जबकि प्राथमिकी 29 अप्रैल 2026 को हुई थी।

ट्रंप ने बदल दिया एआई का नाम, अब सुपर इंटेलिजेंस कहेगी सरकार, आदेश लागू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप ने एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अमेरिकी सरकार के कामकाज में अब एआई की जगह सुपर इंटेलिजेंस और शब्दों का इस्तेमाल किया जाएगा। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि मौजूदा तकनीक की क्षमताएं उस पुराने विचार से कहीं आगे निकल चुकी हैं, जिसे करीब 70 साल पहले 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' कहा गया था।

सरकारी कामकाज में अब

एआई नहीं, 'सुपर इंटेलिजेंस': ट्रंप के आदेश का शीर्षक 'सुपर इंटेलिजेंस के युग की शुरुआत' है। इसके तहत अमेरिकी केंद्र सरकार के विभागों और एजेंसियों को आधिकारिक पत्राचार, सार्वजनिक संचार, वेबसाइट, रिपोर्ट और प्रशासनिक नीति दस्तावेजों में 'सुपर इंटेलिजेंस' और एआई शब्दों का इस्तेमाल करना होगा। आदेश में कहा गया है कि यह बदलाव कानून के अनुमति की अधिकतम सीमा तक लागू किया जाएगा। संबंधित आधिकारिक जगहों पर सरकार 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' कहा गया था।

मान्यता नहीं देगी। हालांकि, यह बदलाव पहले से मौजूद रिकॉर्ड पर लागू नहीं होगा। पुराने नियम, सरकारी कॉन्स्ट्रेंट, ग्रांट और ऐतिहासिक अभिलेख इस आदेश के कारण नहीं बदले जाएंगे।

क्यों बदला गया एआई का नाम: अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि आज के अत्याधुनिक एआई सिस्टम की क्षमताएं केवल इंसानी बुद्धिमत्ता के कुछ हिस्सों की नकल करने या उन्हें स्वचालित करने तक सीमित नहीं हैं। आदेश में कहा गया है कि ये सिस्टम तेजी से इंसानी रचनात्मकता और क्षमता को बढ़ा रहे हैं और विज्ञान,

बेबी फूड पैकेटों पर नहीं दिखेगी मां-बच्चे की फोटो, महाराष्ट्र एफडीए कमिशनर तुकाराम मुंडे का आदेश

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने पिछले कुछ महीनों में साफ-सफाई और खाने-पीने की चीजों में गड़बड़ी को लेकर सख्ती की है। अब महाराष्ट्र में कमिशनर तुकाराम मुंडे की टीम ने बेबी फूड प्रोडक्ट बेचने वाले ब्रांड्स के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। तुकाराम मुंडे ने पैकेट पर मां और बच्चे की फोटो लगाने पर रोक लगा दी है। एफडीए ने यह दावा करने पर भी रोक लगा दी है कि मिल्क प्रोडक्ट मां के दूध जितना ही अच्छा है।

'मां का दूध ही सबसे अच्छा': एडमिनिस्ट्रेशन ने बेबी फूड ब्रांड्स पर सख्ती की है। एफडीए ने नियम कड़े कर दिए हैं और यह पक्का किया है कि इस बात का



प्रचार हो कि बच्चों के लिए मां का दूध सबसे अच्छा होता है। एफडीए ने बेबी फूड बनाने वाली कंपनियों को आदेश दिया है कि वे अपने सभी पैकेट पर 'मां का दूध सबसे अच्छा है' का मैसేज लिखें। तुकाराम मुंडे के इस आदेश का मतलब फॉर्मूला मिल्क पर रोक लगाना नहीं है। फॉर्मूला प्रोडक्ट्स को इजाजत होगी, लेकिन बनाने वालों को गाइडलाइंस का पालन करना होगा। एफडीए

सिर्फ सख्तीमेंट्री फूड के तौर पर ही दिया जाना चाहिए। पर और डॉक्टर की सलाह

नियमों के पालन में गड़बड़ी

तुकाराम मुंडे ने इस कदम के बारे में बताते हुए कहा, 'ने सर्वे में नियमों के पालन से जुड़ी कई कमियां पाईं। मां के दूध के महत्व को बताने वाले मैसैज का न होना एक बड़ी गड़बड़ी है।' मुंडे ने कहा, 'ये कदम मां के दूध को बढ़ावा देने और यह पक्का करने के लिए उठाए जा रहे हैं कि बच्चों को सही पोषण मिले। शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में मां का दूध पिलाने की दरें चौंकाने वाली हैं, जिसका सीधा असर बच्चों की सेहत पर पड़ रहा है और इससे हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी समस्याएं कम उम्र में ही हो रही हैं।' तुकाराम मुंडे ने डेटा का हवाला देते हुए बताया, 'महाराष्ट्र में जन्म के एक घंटे से लेकर 6 महीने तक मां का दूध पिलाने की दर शहरी इलाकों में 52.8 प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों में 75.2 प्रतिशत थी।' मुंडे ने सर्वे के डेटा का जिक्र करते हुए कहा, '10-12 साल की उम्र के 25 प्रतिशत बच्चों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या थी।

संयुक्त राष्ट्र पर ईरान का तंज: फिल्म शोले के ठाकुर की 'डॉक्टर स्ट्रेंज' से की तुलना, जानें क्यों बरसा तेहरान

तेहरान, एजेंसी। भारत में ईरानी दूतावास ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) पर तंज कसने के लिए बॉलीवुड की मशहूर फिल्म 'शोले' का सहारा लिया है। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक मीम शेयर किया, जिसमें एक तरफ मार्वल के सुपरहीरो डॉक्टर स्ट्रेंज और दूसरी तरफ फिल्म 'शोले' के ठाकुर बलदेव सिंह को दिखाया गया है। इस मीम के जरिए ईरान ने यूएन की वास्तविक भूमिका और उसकी छवि के बीच अंतर को लेकर व्यंग्य किया।

डॉक्टर स्ट्रेंज और ठाकुर की तस्वीरें क्यों लगाईं: ईरानी दूतावास की पोस्ट में पहली तस्वीर डॉक्टर स्ट्रेंज की है, जिसमें उनके कई हाथ नजर आते हैं। इसके साथ लिखा गया है- 'यूएन अकाउंटिंग टू स्कूल बुक्स', यानी स्कूली किताबों के अनुसार यूएन। दूसरी तस्वीर 1975 में आई फिल्म 'शोले' के ठाकुर बलदेव सिंह की है। इस किरदार को अभिनेता संजीव कुमार ने निभाया था। फिल्म में ठाकुर अपने दोनों हाथ गंवा देते हैं। इस तस्वीर के साथ लिखा गया- 'यूएन एन रियलिटी' यानी वास्तविकता में संयुक्त राष्ट्र। मीम में डॉक्टर स्ट्रेंज के कई हाथ संयुक्त राष्ट्र को कई मोर्चों पर कार्रवाई करने में सक्षम संस्था के तौर पर दिखाते हैं। वहीं ठाकुर की तस्वीर का इस्तेमाल संगठन की काथित सीमित कार्रवाई क्षमता का प्रतीक बनाने के लिए किया गया है। हालांकि, ईरानी दूतावास ने पोस्ट में किसी विशेष संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव या घटना का नाम नहीं लिया।

युद्ध और वैश्विक संकटों के बीच आया मीम: ईरान का यह पोस्ट ऐसे समय आया है जब अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को लेकर बहस जारी है। अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान यूएन की ओर से तनाव कम करने और बातचीत की अपील की गई थी, लेकिन संघर्ष और टकराव जारी रहा।

सेवा संकल्प अभियान में गूंजा सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश

नमो सेवा की अनकही कहानियां पर इन्द्रवती नाट्य समिति के कलाकारों ने दी प्रभावी नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को सीधी जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नमो सेवा की अनकही कहानियां विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया मध्यप्रदेश संस्कृति संचालनालय एवं जिला प्रशासन सीधी के संयुक्त आयोजन में इन्द्रवती

नाट्य समिति सीधी के कलाकारों ने प्रभावी अभिनय और संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों एवं आमजन को सेवा भावना, सामाजिक सहभागिता, जनहित और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका का संदेश दिया अभियान के तहत सांदीपनि विद्यालय सीधी, उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1, उत्कृष्ट विद्यालय

क्रमांक-2 तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए कलाकारों ने सशक्त अभिनय, संवाद और सामूहिक प्रस्तुति के जरिए समाज में सेवा, सहयोग, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व को रेखांकित किया नुक्कड़ नाटक के माध्यम से

कलाकारों ने बताया कि समाज और राष्ट्र के विकास में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने और जनहित से जुड़े कार्यों में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से सेवा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों

को सरल एवं प्रभावी तरीके से विद्यार्थियों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने विभिन्न प्रसंगों और संवादों के माध्यम से यह संदेश दिया कि समाज में सकारात्मक बदलाव केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि नागरिकों की सहभागिता और जिम्मेदारी से भी संभव है। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने

बाढ़ प्रभावित किसानों के मुआवजे और धान पंजीयन की तकनीकी समस्या दूर करने की मांग



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश किसान सभा ने जिले के बाढ़ और अतिवृष्टि प्रभावित किसानों को मुआवजा देने तथा धान खरीदी के पंजीयन में आ रही तकनीकी प्रेशानियों को दूर करने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा किसान सभा ने अहर, मूंम और उड़्ड की खरब फसलों का सर्वे कर रहत रशि देने की मांग की है ज्ञापन में कहा गया कि अगस्त में आई बाढ़ और अतिवृष्टि से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है इसके अलावा कई परिवारों के घर-गृहस्थी और घरेलू सामान भी प्रभावित हुए हैं संगठन का आरोप है कि शासन की ओर से रहत देने की घोषणा के बावजूद अधिकांश प्रभावित क्षेत्रों में अब तक रहत रशि वितरित नहीं की गई है कुछ स्थानों को छोड़कर नुकसान का सर्वे भी पूरा नहीं हुआ है। किसान सभा ने अतिवृष्टि से खरब हुई धान की फसल का मुआवजा देने की मांग की साथ ही धान खेदी के लिए बनाए गए ऑनलाइन पोर्टल का सर्वर धीमा होने से किसानों को पंजीयन में आ रही प्रेशानी को तत्काल दूर करने की मांग की गई किसानों के धान के खरबे को ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज करने और बटईदार किसानों के लिए अलग से खरीदी का प्रावधान करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा और रहत नहीं दी गई तो किसानों को संगठित कर आंदोलन तेज किया जाएगा ज्ञापन के दौरान प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रामजीत सिंह, गज्य सचिव विश्रम सिंह, जिला सचिव रामनरेश सिंह सहित रोहित तिवारी, अमित सहगोष, संजय निगम, तेजभान सिंह, भेले सिंह, पुष्पेंद्र सिंह और अभयराज सिंह मौजूद रहे।

सीधी में कांग्रेस ने CEC का पुतला फूँका, इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, कलेक्ट्रेट परिसर में किया प्रदर्शन



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (SIR) और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने सीधी कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग करते हुए उनका पुतला फूँका इस दौरान चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष

ज्ञान सिंह के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार और भाजपा के दबाव में काम कर रहा है उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र के कथित दुरुपयोग से लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बन रही है इसी को लेकर कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग उठाई प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची के

गहन पुनरीक्षण को लेकर भी आपत्ति जताई उनका कहना है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया में पर्याप्त पारदर्शिता होनी चाहिए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सूची में बदलाव के कारण पात्र मतदाताओं के नाम प्रभावित होने की आशंका है पार्टी ने मतदाता सूची में किए गए बदलावों की जानकारी सार्वजनिक करने तथा जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं उन्हें अपील का अवसर देने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने

सेवा संकल्प अभियान के तहत चंदवाही में जल संरक्षण, जल स्रोत सफाई एवं एक गांव गोद ले-सेवा सेतु कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र सिहावल की ग्राम पंचायत चंदवाही में जल संरक्षण एवं जल स्रोत सफाई तथा एक गांव गोद लेदुसेवा सेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में विधायक विधानसभा क्षेत्र सिहावल विश्वामित्र पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण केवल



एक अभियान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी जिम्मेदारी है। जल संरक्षण और जल स्रोतों की सफाई भविष्य के लिए जीवन बचाने तथा स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में सबसे जरूरी कदम हैं। जल

सुरक्षित रहेगा तभी भविष्य सुरक्षित रहेगा उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता की अपील की। विधायक ने ग्राम पंचायत चंदवाही में अब तक स्वीकृत कराए गए विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ग्राम चंदवाही का चयन चंदवान ग्राम के रूप में किया गया है अब ग्राम को गोद लेकर मूलभूत सुविधाओं के विकास, हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ दिलाने, आजीविका के साधन उपलब्ध कराने तथा अधोसंरचना विकास से जुड़े कार्य समय-सीमा में कराए जाएंगे उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से ग्राम का सर्वांगीण

स्थायी शेड, रोशनी, पेयजल और साफ-सफाई की मांग को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन



मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। तेज बाढ़ के कारण मंदकिनी पुल के पास स्थित श्मशान घाट की व्यवस्थाएं प्रभावित हो गई हैं बाढ़ में घाट परिसर का टीन शेड क्षतिग्रस्त होकर टूट गया है बारिश के दौरान अंतिम संस्कार के लिए पहुंचने वाले लोगों को खुले में खड़े होकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है घाट पर पेयजल, बैठने की जगह, पर्याप्त रोशनी और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी भी सामने आई है।

राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव के लिए सीधी से चार प्रतिभागियों का चयन, पेंच राष्ट्रीय उद्यान में होगा आयोजन



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विद्यार्थियों में पर्यावरण, जंगल और वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा प्रकृति संरक्षण की भावना विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित जिला स्तरीय मोगली

मञ्चौली की टीम तीसरे स्थान पर रही इसी तरह वरिष्ठ वर्ग में भी सीधी विकासखंड ने बाजी मारी सिहावल ने द्वितीय और रामपुर नैकिन ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पर्यावरण, वन्यजीव, जंगल और प्रकृति संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी जानकारी और समझ का प्रदर्शन किया प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बनाना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी समझ को मजबूत करना रहा। प्रतियोगिता के दौरान

विद्यार्थियों ने विभिन्न पर्यावरणीय विषयों पर अपनी जानकारी प्रस्तुत की कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा और जिला शिक्षा अधिकारी पी.के. सिंह उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन जिला नोडल अधिकारी एवं वि्वज मास्टर वीरेंद्र सिंह बघेल, प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल बरिगवा ने किया। आयोजन में मास्टर ट्रेनर राकेश रतन पांडे, इको क्लब से रोहिणी प्रसाद पाठक, उच्च माध्यमिक शिक्षक वंदना शुक्ला, हरिओम शुक्ला और गुरु प्रसाद साहू, अशोक सिंह, समारू कोल, अरुण पाठक सहित क्षेत्रीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ने किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर सीधी जिले से चार विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव के लिए किया गया है इनमें वरिष्ठ वर्ग से एक छात्र और एक छात्रा तथा कनिष्ठ वर्ग से एक छात्र और एक छात्रा शामिल हैं चयनित प्रतिभागी 26 अक्टूबर 2026 को सीधी से जबलपुर होते हुए सिवनी के लिए रवाना होंगे राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव का आयोजन 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक पेंच राष्ट्रीय उद्यान, सिवनी में किया जाएगा यहाँ चयनित विद्यार्थी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे और पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

सीधी में 1062 विद्यार्थियों को मिली 73.10 लाख रुपए की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के पिछड़ वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत सीधी जिले के शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत 1062 विद्यार्थियों को 73 लाख 10 हजार 177 रुपए की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया है छात्रवृत्ति की राशि पात्र विद्यार्थियों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की गई छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों ने एमपीटएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित महाविद्यालयों के नोडल प्राचार्यों द्वारा दस्तावेजों और आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। पात्र पाए गए विद्यार्थियों के एकल बैंक खातों में छात्रवृत्ति की राशि भेजी गई विभाग के अनुसार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य पिछड़ वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के दौरान आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है आर्थिक कारणों से विद्यार्थियों को पढ़ाई प्रभावित न हो और वे अपनी शिक्षा निरंतर जारी रख सकें इसके लिए शासन द्वारा पात्र विद्यार्थियों को नियमानुसार छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। योजना के तहत विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है आवेदन प्रक्रिया के बाद महाविद्यालय स्तर पर सत्यापन किया जाता है और पात्रता पूरी करने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित नियमों के अनुसार छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाता है जिले के 1062 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिलने से उनकी उच्च शिक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं में आर्थिक सहायता मिलेगी विभाग ने पात्र विद्यार्थियों को शासन की छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ लेने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

इलाज या मुनाफे का खेल?

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट को एक बार फिर बेहिसाब मंहंगी दवाओं पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करनी पड़ी। उसने कैन्सर की दवा की दस गुना अधिक कीमत पर बिन्नी को सामूहिक संहार करार दिया। इसके पहले उसने कैन्सर की 27 सौ वाली दवा को 27 हजार रुपये में उपलब्ध होने को दिनदहाड़े डाली जाने वाली डकैती कहा था। वास्तव में इसे डकैती के अलावा और कुछ कहा भी नहीं जा सकता।

गत दिवस सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि कारपोरेट अस्पताल किसी पर रहम नहीं कर रहे

हैं। उसने केंद्र सरकार से इस पर ध्यान देने को भी कहा कि आखिर ये अस्पताल लोगों को अपने यहां से ही दवाएं खरीदने के लिए क्यों बाध्य कर रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी पर केंद्र सरकार की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जिस तरह यह कहा कि इस मामले में संतुलित समाधान की जरूरत है, उससे ऐसा लगता है कि अभी तक इस बारे में कोई सोच-विचार ही नहीं किया गया। क्या हमारे नीति-नियंता अभी तक इससे अवगत नहीं थे कि किस तरह कुछ जीवन रक्षक दवाओं

को भी अनाप-शनाप मूल्यों पर बेचा जा रहा है और इस मामले में निजी क्षेत्र के अस्पतालों पर तो कोई लगाम ही नहीं है? सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि कारपोरेट अस्पताल कोई सेवा नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे एक उद्योग की तरह काम कर रहे हैं।

उन्हें मनमानी करने की छूट नहीं दी जा सकती, क्योंकि वे आयुष्मान भारत और अन्य

सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत भी लोगों का उपचार करते हैं। इसमें खर्च होने वाला धन आम जनता के टैक्स का पैसा होता है। बेहतर हो कि सरकार मरीजों के हित को ध्यान में रखकर ऐसी कोई व्यवस्था बनाए, जिससे दवाओं के मनमाने दाम न वसूल किए जा सकें। यह ठीक है कि इस क्रम में अस्पतालों और फार्मा कंपनियों के हितों का भी

ध्यान रखना होगा, क्योंकि नई दवाओं के शोध की भी अपनी एक कीमत होती है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं हो सकता कि उन्हें मनमानी करने दी जाए। दुर्भाग्य से अभी मनमानी ही हो रही है। इसका कोई सुनिश्चित आधार ही नहीं कि फार्मा कंपनियां अपनी दवाओं के मूल्य का निर्धारण किस तरह करती हैं? एमआरपी की मौजूदा व्यवस्था को एक छलावे के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता।

समझना कठिन है कि जब दवाएं आवश्यक

वस्तु अधिनियम के तहत आती हैं, तब फिर उन्हें मनचाहे मूल्य पर बेचने की अनुमति कैसे दी जा सकती है? प्रश्न यह भी है कि कारपोरेट अस्पताल जेनेरिक दवाओं का उपयोग क्यों नहीं करते? इसी तरह इस प्रश्न का भी उत्तर मिलना चाहिए कि दवाओं के मूल्यों के मामले में मुनाफे का कोई मानदंड क्यों नहीं बनाया जा सकता? एक ऐसे समय जब निजी अस्पतालों पर निर्भरता बढ़ रही है, तब दवाओं के मनमाने मूल्यों पर लगाम लगनी ही चाहिए।

विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध का भारत पर प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से रसातल में जाती हुई दिखाई दे रही हैं। विभिन्न देशों (रूस-यूक्रेन, इजराईल-हम्मस, ईरान-अमेरिका एवं सऊदी अरब-हूथी) के बीच चल रहे युद्ध ने उन देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी विपरीत रूप से प्रभावित करना प्रारम्भ कर दिया है, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं। इस श्रेणी के देशों में भारत का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आ रहा है। दरअसल, भारत अपनी कुल खपत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। उक्त युद्ध प्रारम्भ होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं एवं यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल गई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति किसी भी कीमत पर उचित नहीं है, क्योंकि भारत को महंगी दरों पर कच्चे तेल का आयात करना पड़ रहा है और इससे महंगे कच्चे तेल के साथ साथ भारत में मुद्रा स्फीति भी आयातित हो रही है। साथ ही, भारत को महंगे कच्चे तेल के आयात का अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना होता है, जिससे भारतीय रुपए की कीमत पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ता जा रहा है एवं भारतीय रुपए का लगातार अवमूल्यन होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रुपए के अवमूल्यन से भारत द्वारा आयात किए जाने वाले समस्त उत्पाद महंगे हो जाते हैं।

उक्त वर्णित युद्ध प्रारम्भ होने के पूर्व, भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर) वैश्विक स्तर पर अमेरिका, चीन, जर्मनी के पश्चात चौथे स्थान पर पहुंच गई थी। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में आए परिवर्तन के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद उसी स्तर पर बना रहा है। इसका मुख्य कारण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर का भारतीय रुपए की तुलना में लगातार मजबूत होते जाना है।

जैसे जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और अधिक आक्रामक होता जा रहा है, वैसे वैसे अब यह सम्भावना बलवती होती जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी भारी वृद्धि देखने में आ सकती है, क्योंकि यूक्रेन गेहूं का बड़ा उत्पादक देश है। यूक्रेन ने रूस के कच्चे तेल को संसाधित कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने वाली उत्पादन इकाईयों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे रूस ने गैस एवं ईंधन की आपूर्ति को यूरोपीयन देशों को स्थगित कर दिया है। सर्दी के मौसम में यूरोपीयन देशों को गैस एवं ईंधन की सबसे

अधिक आवश्यकता होती है। परंतु, इस वर्ष यूरोपीयन देशों को सर्दी के मौसम में गैस एवं ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होने वाली है इससे इन देशों के नागरिकों को सबसे अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ करके विश्व के कई देशों को भारी परेशानी में डाल दिया है। न केवल कच्चा तेल बल्कि फर्टिलाइजर, खाद्य पदार्थ, गैस, आदि की आपूर्ति प्रभावित हुई है। साथ ही, वित्तीय क्षेत्र में भी कई देशों को भारी कठिनाईयों के बीच में धकेल दिया है। यदि यह युद्ध कुछ समय और चलता है, जिसके कि आसार दिखाई दे रहे हैं, तो कई देशों के दिवालििया होने की सम्भावना बनती नजर आ रही है। अमेरिका में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यू एस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं की बढ़ोतरी की है। अक्टोबर 2026 एवं दिसम्बर 2026 माह में भी पुनः 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहने की प्रबल सम्भावना है एवं इसके चलते अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण मुश्किल है। ब्याज दरों में वृद्धि के चलते अमेरिका में यू एस बांड यील्ड में भी लगातार वृद्धि हो रही है एवं यह अपने लगभग उच्चतम स्तर 5.25 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बांड यील्ड के उच्च स्तर पर पहुंचने के चलते अमेरिकी निवेशक तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं से अपना निवेश निकाल कर अमेरिकी बांड में निवेश कर रहे हैं क्योंकि अपेक्षाकृत यह सुरक्षित निवेश है एवं ब्याज दर भी अधिक मिल रही है। भारत जैसी तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है। भारत सहित अन्य विकासशील देशों से निकल रहे विदेशी निवेश से इन देशों की अपनी मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है, जिससे इन देशों में विभिन्न पदार्थों के आयात महंगे हो रहे हैं एवं इन देशों में मुद्रा स्फीति फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

तलित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई

मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हूगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एआईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हूगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है।

इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथात्सक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट पर सफा, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट

नियमों की अनदेखी जिंदगी पर भारी पड़ रही,सड़क सुरक्षा पहली प्राथमिकता

कांतिलाल मांडेठ

सड़क पर सुरक्षित चलना केवल यातायात नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि अपने जीवन के साथ-साथ दूसरों के जीवन की रक्षा करना भी है। सड़क दुर्घटनाएं आज किसी एक शहर, जिले या राज्य की समस्या नहीं रह गई हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रतिदिन होने वाले हादसों में बड़ी संख्या में लोगों की जान चली जाती है और कई परिवार हमेशा के लिए अपने प्रियजनों को खो देते हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से अनेक दुर्घटनाएं ऐसी होती हैं, जिनमें थोड़ी सी सावधानी और यातायात नियमों के पालन से टाला जा सकता है। इसलिए सड़क सुरक्षा को जीवन की पहली प्राथमिकता बनाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

सुरत ग्रामीण क्षेत्र में सामने आए सड़क हादसों के आंकड़े इसी गंभीर स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। यहां सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर बढ़कर 43.50 प्रतिशत तक पहुंचने की जानकारी कार्यक्रम में अधिकारियों ने दी। हादसों को कम करने और युवाओं में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सांकरी में सड़क सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सड़क सुरक्षा अग्रदूत प्रशिक्षण के अंतर्गत 1500 से अधिक विद्यार्थियों को निशुल्क हेलमेट वितरित किए गए। ऐसे कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन न रहकर लोगों की सोच और व्यवहार में बदलाव लाने का माध्यम बनें, तभी

इनका वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा।

कार्यक्रम में अधिकारियों ने जिस तरह सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की, वह आम नागरिकों के लिए भी गंभीर संदेश है। बारडोली आरटीओ की ओर से बताया गया कि सुरत ग्रामीण में राज्य में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। गुजरात में हर साल हजारों लोगों की सड़क हादसों में मौत होती है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग नियमों को जानते हुए भी उनका पालन नहीं करते। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, निर्धारित गति से वाहन चलाना, गलत दिशा में वाहन नहीं चलाना और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना जैसी सामान्य सावधानियां जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अक्सर लोग कुछ सौ मीटर की दूरी बचाने के लिए गलत दिशा में वाहन दौड़ा देते हैं। उन्हें लगता है कि इससे समय बच जाएगा, लेकिन यही जल्दबाजी कभी-कभी गंभीर दुर्घटना का कारण बन जाती है। सड़क पर गलत दिशा में वाहन चलाना केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि सामने से आने वाले वाहन चालकों और पैदल चलने वालों के लिए भी खतरा पैदा करता है। थोड़ी दूरी के लिए नियम तोड़ना किसी भी स्थिति में समझदारी नहीं है। सड़क पर हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि उसकी एक छोटी सी गलती किसी दूसरे परिवार के जीवन में बड़ा दुख ला सकती है।

दोपहिया वाहन चालकों के लिए विशेष सावधानी जरूरी है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुल दुर्घटनाओं में

दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत तक बताई गई है। इसका अर्थ है कि दोपहिया वाहन चलाने वालों को अपनी सुरक्षा के प्रति अधिक सजग होना होगा। हेलमेट केवल पुलिस के डर से पहनने वाली चीज नहीं है। यह सिर को गंभीर चोट से बचाने वाला सुरक्षा कवच है। हेलमेट हमेशा सही तरीके से और उसकी पट्टी बांधकर पहनना चाहिए। वाहन चलाते समय तेज गति, अचानक ओवरटेक और खतरनाक ढंग से वाहन चलाने से बचना चाहिए।

माता-पिता की जिम्मेदारी भी यहां महत्वपूर्ण हो जाती है। कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति देना उनके लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। अभिभावकों को बच्चों को यह समझाना चाहिए कि सड़क कोई खेल का मैदान नहीं है। वाहन चलाने के लिए निर्धारित उम्र, लाइसेंस और यातायात नियमों का पालन जरूरी है। बच्चे यदि नियमों को छोटी उम्र से समझेंगे तो भविष्य में जिम्मेदार वाहन चालक बन सकते हैं। माता-पिता स्वयं हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करेंगे तो बच्चों पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पैदल चलने वालों की सुरक्षा भी सड़क सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दुर्घटनाओं में पैदल यात्रियों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत तक बताई गई है। सड़क पार करते समय निर्धारित स्थान का उपयोग करना, वाहन आने-जाने की दिशा देखकर आगे बढ़ना और मोबाइल फोन में ध्यान लगाए बिना सड़क पर चलना जरूरी है। वाहन चालकों को

भी पैदल यात्रियों, बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगों के प्रति अतिरिक्त सावधानी रखनी चाहिए। सड़क पर सबसे कमजोर व्यक्ति की सुरक्षा का ध्यान रखना ही सभ्य यातायात व्यवस्था की पहचान है।

सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं को सड़क सुरक्षा का अग्रदूत बनाने की बात कही गई। यह पहल महत्वपूर्ण है, क्योंकि युवा वर्ग यातायात व्यवस्था में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकता है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण, प्रश्नोत्तरी और जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। विद्यार्थियों को केवल नियमों की जानकारी देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें नियमों का पालन करने की आदत भी विकसित करनी होगी। सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार परिवार से शुरू होकर समाज तक पहुंचता है।

सड़क सुरक्षा के लिए प्रशासन, पुलिस, परिवहन विभाग और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। केवल चालान और दंड से दुर्घटनाओं को पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। सड़क की स्थिति सुधारना, संकेतक लगाना, अंधे मोड़ों पर पर्याप्त व्यवस्था करना, गति सीमा का पालन कराना और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान करना भी जरूरी है। साथ ही नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। वाहन चलाने से पहले वाहन की स्थिति जांचना, ब्रेक, टायर और रोशनी की व्यवस्था ठीक रखना भी सुरक्षा का हिस्सा है।

सुविधाओं से भरे घर, स्नेह को तरसते बुजुर्ग

(अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर विशेष)



पुनर्विचार' विषय के साथ मनाया जा रहा है। भारतीय समाज में संयुक्त परिवार को हमेशा से अहमियत दी गई है लेकिन आज के बदलते परिवेश में छोटे और एकल परिवार की चाहत में संयुक्त परिवार की अवधारणा खत्म होती जा रही है। यही कारण है कि लोग अपने बुजुर्गों से दूर होते जा रहे हैं और नई पीढ़ी दादा-दादी, नाना-नानी के प्यार से वंचित होती जा रही है। एकल परिवार के बढ़ते चलने के कारण ही परिवारों की बुजुर्गों की उपेक्षा होने लगी है। न चाहते हुए भी बुजुर्ग अकेले रहने को मजबूर हैं। इसका एक गंभीर परिणाम यह देखने को मिला है कि बुजुर्गों के प्रति अपराध की तेजी से बढ़े हैं। शहरों-महानगरों में आए दिन बुजुर्गों को निशाना बनाए जाने की खबरें दहला देती हैं। दूसरा गंभीर परिणाम यह कि बच्चों को बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य नहीं मिलने के कारण

उनके जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। एक सर्वे के अनुसार दादा-दादी या नाना-नानी से साथ रहने वाले बच्चों का विकास अकेले रहने वाले बच्चों की तुलना में कहीं ज्यादा अच्छा और मजबूत होता है और ऐसे बच्चों में आत्मविश्वास भी अधिक देखने को मिला है। आज पति-पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं, ऐसे में बच्चे घर में अकेले रहते हैं और कम उम्र में ही उनमें अवसाद जैसी समस्याएं पनपने लगती हैं।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने हालांकि वर्ष 1999 में एक राष्ट्रीय नीति बनाई थी तथा उससे पहले वर्ष 2007 में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक भी संसद में पारित किया गया था, जिसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा को व्यवस्था और

वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा का प्रावधान था लेकिन इसके बावजूद देशभर में वृद्धाश्रमों में बढ़ती संख्या इस तथ्य को इंगित करती है कि भारतीय समाज में वृद्धों को उपेक्षित किया जा रहा है। कुछ समय पहले 96 देशों में कराए गए एक सर्वे के बाद 'ग्लोबल एज वॉच इंडेक्स' जारी किया गया था। उस सूचकांक के मुताबिक करीब 44 फीसदी बुजुर्गों का मानना था कि उनके साथ सार्वजनिक स्थानों पर दुर्व्यवहार किया जाता है जबकि 53 फीसदी बुजुर्गों का कहना था कि समाज उनके साथ भेदभाव करता है।

भारतीय संस्कृति में जन्म देने वाली मां और पालन करने वाले पिता का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा माना गया है। सदियों से मान्यता रही है कि जिन घरों में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वे तीर्थस्थल से कम नहीं होते। ऐसे में वृद्धों के उर्पीड़न और उपेक्षा की घटनाएं बढ़ना गंभीर संकट का संकेत है। दरअसल वृद्धावस्था हर व्यक्ति के जीवन का एक पड़ाव है। यदि आज हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं तो आने वाले समय में हमें भी अपने बच्चों से कोई अच्छी उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए। वृद्धावस्था में बुजुर्ग शारीरिक रूप से स्थिति भी हो जाएं तो परिजनों का कर्तव्य है कि पूरे सम्मान के साथ उनका ध्यान रखा जाए।

वृद्धावस्था में शारीरिक स्थिति में बदलव आना सामान्य बात है। बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, यादाश्त कमजोर पड़ने, भूलने जैसी समस्याएं आमतौर पर देखी जाती हैं लेकिन दवाओं के साथ-साथ परिजनों के अच्छे व्यवहार की मदद से

ऐसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

आर्थिक समस्या से जुझते वृद्धों के लिए लगभग सभी पश्चिमी देशों में पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था है। भारत में भी वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा है लेकिन उनके सामने स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा अकेलेपन की जो समस्या है, उसका इलाज नहीं है। यह अकेलापन वृद्धजनों को भीतर ही भीतर सालता रहता है। हालांकि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय निश्चित रूप से वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाएगा और इससे देश में करीब साढ़े चार करोड़ परा?वराों को लाभ होने की उम्ेद है लेकिन बुजुर्गों के माह्रले में कई बार चिंताजनक स्थिति यह होती है कि बीमारी के समय में भी सांत्वना देने वाला उनका कोई अपना उनके पास नहीं होता।

हालांकि आज कुछ ऐसी संस्थाएं हैं, जो एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे वृद्धों के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर रही हैं लेकिन ये संस्थाएं भी अपनों की महसूस होती कमी की भरपाई तो नहीं कर सकती। बहरहाल, वृद्धजनों को अपने परिवार में भरपूर मान-सम्मान मिले, इसके लिए सामाजिक जागरूकता जैसी पहल की सख्त आवश्यक है ताकि वृद्धों के प्रति परिजनों की सोच सकारात्मक होने से बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम जैसे स्थानों की समाज में आवश्यकता ही महसूस नहीं हो।

भारतीय संस्कृति में सला से ही बड़ों के आदर-सम्मान की परम्परा रही है लेकिन आज दुनिया के अन्य देशों सहित हमारे देश में भी वृद्धजनों पर बढ़ते अत्याचारों की खबरें समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। अधिकांश परिवारों में वृद्ध जिस तरह की उपेक्षा झेलने को मजबूर हैं, उससे ज्यादा पीड़ादायक और क्या हो सकता है! सभूद्ध परिवार होने के बावजूद घर के बुजुर्ग वृद्धाश्रमों में जीवनयापन करने को विवश हैं। बहुत से मामलों में बच्चे ही उन्हें बौझ मानकर वृद्धाश्रमों में छोड़ आते देते हैं।

हालांकि यह उम्र का ऐसा पड़ाव होता है, जब उन्हें परिजनों के अपनपन, प्यार और सम्मान की सर्वाधिक जरूरत होती है। एक व्यक्ति जिस घर-परिवार को बनाने में अपनी पूरी जिंदगी खपा देता है, वृद्धावस्था में जब उन्ही घर में उसे अवांछित वस्तु के रूप में देखा जाने लगता है तो लगता है जैसे उस घर में रहने वालों की ईसांनियत और उनके संस्कार भग चुके हैं।

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में ऐसे हालात को देखते हुए ही वृद्धजनों के लिए कुछ कल्याणकारी कदम उठाने की जरूरत महसूस हुई थी। इसलिए वर्ष 1982 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा देते हुए 'सबके लिए स्वास्थ्य' अभियान का शुरु किया था। वृद्धों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने और वृद्धजनों के प्रति उदारता व उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के अलावा उनकी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र ने 14 दिसंबर 1990 को निर्णय लिया कि प्रतिवर्ष एक अक्तूबर का दिन दुनियाभर में 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल के बाद एक अक्तूबर 1991 को पहली बार यह दिवस मनाया गया, जिसके 'अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस' के नाम से भी जाना जाता है। बुजुर्गों के प्रति वैसे तो सभी के हृदय में हर पल, हर दिन सम्मान का भाव होना चाहिए लेकिन दिल में छिपे इस सम्मान को व्यक्त करने के लिए औपचारिक तौर पर यह दिन निश्चित किया गया। 1991 में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरुआत के बाद वर्ष 1999 को पहली बार 'बुजुर्ग वर्ष' के रूप में भी मनाया गया था।

इस वर्ष 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' 'दीर्घायु का दृगः लंबे जीवन के लिए प्रणालियों पर

चिरमिरी में मेगा हेल्थ कैंप: एक छत के नीचे जुटे विशेषज्ञ डॉक्टर, 10 हजार लोगों की जांच का लक्ष्य

कैंसर, हृदय, आंख, हड्डी, किडनी समेत गंभीर बीमारियों की जांच और उपचार स्वास्थ्य मंत्री ने किया दो दिवसीय शिविर का शुभारंभ

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत चिरमिरी के पोड़ी स्थित मंगल भवन में दो दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप का शुभारंभ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया। नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को जिलेवासियों को विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविर में 10 हजार लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार का लक्ष्य रखा गया है। शुभारंभ से पहले स्वास्थ्य मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने अटल परिसर पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पंजलि अर्पित की। इसके बाद मंगल भवन में छतीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न स्टांलों का निरीक्षण कर



जांच और उपचार की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। शिविर में रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों से कार्डियोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट, आर्थोपेडिक, पोडियाट्रिक्स सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, कैंसर, शल्य चिकित्सा, स्त्री रोग, मेडिसिन, दंत चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, नेत्र,



चर्म और ईएनटी जैसी विशेषज्ञ सेवाएं भी उपलब्ध हैं। इससे जिले के मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श के लिए बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहा है। शिविर में बालको कैंसर इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ भी मरीजों की जांच कर रहे हैं। जख्मतमंदों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए पंजीयन किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने नागरिकों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की। मंत्री ने नागरिकों से शिविर का क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण पहल बताते हुए स्वास्थ्य मंत्री के प्रति आभार जताया। सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने नागरिकों से स्वास्थ्य जांच कराने और विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ लेने की अपील की।

आईटीआई में छात्र से दूसरी मजिल पर टंकी साफ कराने का आरोप



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में छात्र की सुरक्षा को लेकर लापरवाही का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में एक छात्र संस्थान की दूसरी मजिल की छत पर बनी पानी की टंकी की सफाई करता दिखाई दे रहा है। छात्र संकरी मुंडेर पर खड़े होकर टंकी से पानी बाल्टी के जरिए बाहर निकालता नजर आ रहा है। वीडियो में छात्र ने हेलेमेट, सेफ्टी बेल्ट, ग्लव्स और सेफ्टी शूज जैसे सुरक्षा

उपकरण नहीं पहने हैं। टंकी की सफाई के दौरान वह बार-बार उसके अंदर झुकता दिखाई देता है। ऐसे में संतुलन बिगड़ने पर ऊंचाई से गिरने का खतरा बना हुआ था। आईटीआई में छात्रों को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों की जानकारी भी दी जाती है। ऐसे में छात्र से ऊंचाई पर बिना सुरक्षा उपकरण के टंकी की सफाई कराने को लेकर संस्थान की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। यह भी जांच का विषय है कि छात्र को यह कार्य किसके निर्देश पर सौंपा गया। मामले में आईटीआई के प्राचार्य सतीश कुमार मोरे ने कहा कि उन्हें वीडियो की जानकारी मिली है और मामले को दिखवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान में छात्रों को सुरक्षा उपकरणों के साथ ही प्रशिक्षण दिया जाता है।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आई सुनीता जायसवाल की सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भरता की कहानी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से घर पर लगाया सोलर पैनल, बिजली बिल में मिली बड़ी राहत कुल 1.08 लाख सब्सिडी का मिला लाभ

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानियां सामने आ रही हैं। इसी क्रम में मनेन्द्रगढ़ निवासी सुनीता जायसवाल की सौर ऊर्जा से जुड़ी कहानी सामने आई है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित करवाया है। सोलर पैनल लगने के बाद उनके बिजली बिल में काफी कमी आई है और वर्तमान में उनका बिजली बिल लगभग शून्य आ रहा है। सुनीता जायसवाल ने बताया कि उनके घर पर सोलर पैनल स्थापित करने में लगभग 2 लाख का खर्च आया। योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार की ओर से 78,000 तथा राज्य सरकार

की ओर से 30,000, इस प्रकार कुल 1,08,000 की सब्सिडी प्राप्त हुई। सब्सिडी मिलने से सोलर पैनल लगाने में होने वाला आर्थिक खर्च काफी कम हुआ और अब वे सौर ऊर्जा का लाभ उठा रही हैं। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापित होने के बाद बिजली के खर्च में उन्हें बड़ी राहत मिली है। पहले नियमित रूप से



भी मिला है। योजना के माध्यम से मिली सब्सिडी ने उनके लिए सोलर पैनल लगाना आसान बनाया। सुनीता जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से उनके जैसे परिवारों को बिजली खर्च में राहत मिली है। उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के अनुभवों और उनके जीवन में आए बदलावों को सामने लाया जा रहा है। सुनीता जायसवाल की यह कहानी भी सौर ऊर्जा को अपनाने और बिजली खर्च में राहत मिलने की एक ऐसी ही लाभार्थी कहानी है।

सेवा संकल्प अभियान में स्वास्थ्य सेवाओं का नया अध्याय स्वास्थ्य मंत्री ने जरौंदा में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया शुभारंभ, ग्रामीणों को अब स्थानीय स्तर पर मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई। छतीसगढ़ शासन के आयुष्मान आरोग्य मंदिर अंतर्गत जनपद पंचायत खड़वावां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जरौंदा का शुभारंभ लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत खड़वावां की अध्यक्ष श्याम बाई मसक्रम ने की। शुभारंभ समारोह में जिला पंचायत सदस्य ममता सिंह, जनपद पंचायत खड़वावां के उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह करियाम, जनपद सदस्य रामवती पोया एवं ग्राम पंचायत जरौंदा के सरपंच प्रदीप कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे, जिला पंचायत सदस्य रामजीत



लकड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने छतीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात रिवन काटकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जरौंदा का विधिवत शुभारंभ किया गया। मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य

सुविधाओं, आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सेवाओं का जायजा लिया। सामान्य उपचार और स्वास्थ्य जांच के लिए नहीं जाना पड़ेगा। दूर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, सहज और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रारंभ होने से जरौंदा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं आवश्यक

स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा गांव के नजदीक उपलब्ध होने से ग्रामीणों को सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूरस्थ क्षेत्रों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी। इससे समय और संसाधनों की बचत के साथ लोगों को आवश्यकता के समय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को गांवों तक पहुंचाने के साथ ही लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने और समय पर जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। छतीसगढ़ लोक सभा समां शुभारंभ समारोह में जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ द्वार मनमोहन छतीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। छतीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ी प्रस्तुति ने समारोह में विशेष आकर्षण जोड़ा।

VGPP 2027-28 की तैयारी को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित मास्टर ट्रेनर्स ने लाइव डेमो से समझाई ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिला पंचायत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में VB-G-RAM-G के अंतर्गत वर्ष 2027-28 के लिए VGPP (Village Gram Panchayat Plan) तैयार करने को लेकर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी जनपद पंचायतों के कार्यक्रम अधिकारी तत्कनीकी सहायक सहायक प्रोग्रामर और सृजन टीम के सदस्य शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य आगामी वित्तीय वर्ष के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर तैयार की जाने वाली विकास योजनाओं की प्रक्रिया को निर्धारित दिशा-निर्देशों और राज्य की अपेक्षाओं के अनुरूप समझाना रहा। साथ ही संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को योजना तैयार करने के लिए



आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर्स ने VGPP निर्माण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान योजना निर्माण की प्रक्रिया आवश्यक प्रविष्टियां प्राथमिकताओं का निर्धारण उपलब्ध संसाधनों का उपयोग और ग्राम पंचायतों की स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर विकास कार्यों को योजना में शामिल करने की प्रक्रिया समझाई गई। प्रशिक्षण को व्यावहारिक बनाने

के लिए मास्टर ट्रेनर्स ने लाइव डेमो के माध्यम से VGPP तैयार करने की पूरी प्रक्रिया प्रदर्शित की। प्रतिभागियों को ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने विभिन्न चरण पूरे करने और योजना तैयार करते समय आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया गया। कार्यशाला में अधिकारियों-कर्मचारियों ने प्रशिक्षण से संबंधित सवाल पूछे, जिनका मास्टर ट्रेनर्स ने समाधान दिया।

दीपावली पर अस्थायी पटाखा लाइसेंस के लिए 17 अक्टूबर तक करें ऑनलाइन आवेदन

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में अस्थायी पटाखा लाइसेंस के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अस्थायी पटाखा लाइसेंस प्राप्त करने के इच्छुक आवेदकों को 17 अक्टूबर 2026 तक लोक सेवा केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। छतीसगढ़ शासन, गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के तहत निर्धारित शुल्क एवं प्रक्रिया के अनुसार अस्थायी पटाखा लाइसेंस के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने इच्छुक आवेदकों से निर्धारित अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है। आवेदन कैसे

करें: अस्थायी पटाखा लाइसेंस के लिए आवेदक अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ लोक सेवा केंद्र में जाकर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन निर्धारित शुल्क एवं शासन द्वारा तय प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। महत्वपूर्ण: आवेदन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2026 है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विलंब से आवेदन प्राप्त होने के कारण यदि लाइसेंस समय पर जारी नहीं हो पाता है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित आवेदक की होगी। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित आवेदकों से निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड स्तरीय सेवा सेतु शिविर का आयोजन

वन नेशन वन राशनकार्ड से खाद्य सुरक्षा अधिनियम तक दी गई जानकारी राशनकार्ड से जुड़ी प्रक्रियाओं पर ग्रामीणों को मिला मार्गदर्शन

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन तक शासन की योजनाओं की जानकारी पहुंचाने और उनकी समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के जनपद पंचायत सभाकक्ष अमृत सदन में विकासखंड स्तरीय सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खाद्य विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं, खाद्य सुरक्षा व्यवस्था तथा राशनकार्ड से जुड़े कार्यों एवं प्रक्रियाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं को दी गई। शिविर



की अध्यक्षता सहायक संचालक खाद्य विभाग हुलेश डडसेना ने की। इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी विष्णुनारायण शुक्ला,

खाद्य निरीक्षक मनेन्द्रगढ़ भूपेंद्र राज, खाद्य निरीक्षक केल्हरी ममता

भगत, विधायक प्रतिनिधि कन्याकुमारी सिंह, ग्राम पंचायत छिछिप्री एवं तेंदुडंड के सरपंच, नगरपालिका मनेन्द्रगढ़ के पापेंद्र एवं एलडरमैन, शासकीय उचित मूल्य दुकानों के विक्रेता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में वन नेशन वन राशन कार्ड, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2012, नवीन राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया तथा राशन कार्ड में आवश्यक संशोधन एवं अन्य संबंधित कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पात्र हितग्राही शासन की खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के

बिहान समूह से जुड़ी रंजना, घर से शुरू किया मनिहारी व्यवसाय

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासन की योजनाओं से लोगों के जीवन में आए बदलाव की प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं। इसी क्रम में विकासखंड भरतपुर के ग्राम तिलौली निवासी रंजना सिंह ने बिहान स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की राह अपनाई है। रंजना सिंह ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद स्वरोजगार शुरू करने का निर्णय लिया। समूह के माध्यम से उन्हें 60 हजार रुपये का ऋण मिला, जिससे उन्होंने अपने घर पर मनिहारी की दुकान शुरू की। मेहनत और लगन से धीरे-धीरे उनका व्यवसाय आगे बढ़ा और अब उन्हें इससे प्रतिमाह करीब 8 से 10 हजार रुपये की आय हो रही है। रंजना बताती हैं कि बिहान समूह से जुड़ना उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया। समूह से मिले सहयोग और ऋण के कारण उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिला। अब वे स्वयं दुकान



का संचालन कर परिवार की जरूरतों में आर्थिक सहयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का अवसर दिया है। रंजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संचालित योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। रंजना की सफलता ग्रामीण महिलाओं के लिए संदेश है कि उचित अवसर और सहयोग मिलने पर वे घर से व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

कांग्रेस ने शिवपुरी में मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पुतला फूँका, मतदाता सूची में बदलाव के विरोध में कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी में बुधवार को मतदाता सूची में बदलाव और विशेष गहन पुनरीक्षण (रिट्चक) के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता माधव चौक पर एकत्र हुए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूँका। इसके बाद रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। पद के दुरुपयोग का लगाया आरोप कांग्रेस ने ज्ञापन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर पद के दुरुपयोग और चुनाव प्रक्रिया में पक्षपात का आरोप लगाया। पार्टी ने मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया और

रिट्चक में पारदर्शिता की मांग की। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए राष्ट्रपति से मामले में दखल देने की मांग की। पांच प्रमुख मांगें रखीं ज्ञापन में कांग्रेस ने मतदाता सूची में होने वाले हर बदलाव का डेटा सार्वजनिक करने, हटाए गए मतदाताओं को इसके सूचना देने और उन्हें अपील का मौका देने की मांग की। इसके अलावा सभी राजनीतिक दलों को समय पर मतदाता सूची उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच कराने और चुनाव से जुड़े डेटा में पूरी पारदर्शिता रखने की मांग भी की।

संक्षिप्त समाचार

ओवरटेकिंग को लेकर दो बसों के कंडक्टर में मारपीट

नर्मदापुरम में 15 मिनट चलते रहे लात-घुंसे, कट मारने पर शुरू हुआ था विवाद



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के माखननगर रोड के चक्कर रोड चौराहे पर मंगलवार रात दो बसों के स्टाफ के बीच जमकर मारपीट हुई। करीब 10 से 15 मिनट तक चौराहे पर लात-घुंसे चलते रहे। इससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, एक पक्ष शिव शक्ति कंपनी की बस का स्टाफ था। बस पिपरिया से नर्मदापुरम आ रही थी। दूसरा पक्ष मोहासा औद्योगिक क्षेत्र की एक कंपनी की स्टाफ बस का था। दोनों बसें रात करीब 9:30 बजे नर्मदापुरम की ओर आ रही थीं।

दाहोद रेंज में बाधिन की मौत, करंट लगने की आशंका



मीडिया ऑडीटर, मंडोदीप (निप्र)। रायसेन के रातापानी टाइगर रिजर्व में आने वाली दाहोद रेंज में सोमवार को करीब 5 से 6 साल की बाधिन की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। एसडीओ राजकुमार शिवहरे, वन विभाग के चिकित्सक अमित ओड और चिकित्सकों की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद डीएफओ हेमंत रैकवार भी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण कर जुटाए साक्ष्य वन अधिकारियों ने बाधिन के शव की स्थिति और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। टीम ने घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए और मौत के कारणों की पड़ताल शुरू की। करंट लगने की प्रारंभिक आशंका वन विभाग के अनुसार शुरुआती जांच में बाधिन की मौत करंट लगने से होने की आशंका है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। चिकित्सकीय जांच और पोस्टमार्टम के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी।

सीहोर में देर रात बेकाबू कार मोबाइल शोरूम में घुसी



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर के आनंद डेरी चौराहे पर सोमवार देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर मोबाइल शोरूम में घुस गई। यह हादसा इतना तेज था कि दुकान का मुख्य कांच का दरवाजा टूटकर बिखर गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सफेद रंग की यह कार चौराहे के पास अचानक बेकाबू हो गई और सीधे दुकान के अंदर जा घुसी। घटना के बाद दुकान के सामने और अंदर कांच के टुकड़े चारों तरफ फैल गए।

मौके पर भीड़ जमा हो गई: हादसे की खबर मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। अच्छी बात यह रही कि इस दौरान कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि, दुकान के सामने वाले कांच और डिस्प्ले काउंटर को काफी नुकसान हुआ है।

हरपालपुर स्टेशन पर चलती ट्रेन से प्लेटफॉर्म पर गिरा मजदूर



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। हरपालपुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार देर रात बड़ा हादसा टल गया। दिल्ली जाने के लिए यूपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में चढ़ रहे एक 40 वर्षीय मजदूर का संतुलन बिगड़ गया और वह चलती ट्रेन से प्लेटफॉर्म पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पत्नी और बेटी के साथ जा रहे थे दिल्ली महोबा जिले के बुधवाग गांव के रहने वाले बालाधीन अहिरवार अपनी पत्नी और बेटी के साथ मजदूरी करने दिल्ली जा रहे थे। जब ट्रेन हरपालपुर स्टेशन पर रुकी, तो वे परिवार के साथ उसमें सवार हो रहे

बस स्टैंड पर मारपीट में घायल युवक की मौत

● अस्पताल में 4 घंटे हंगामा, परिजनों ने विधायक पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया

खंडवा ● अस्पताल में 4 घंटे हंगामा, परिजनों ने विधायक पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। नया बस स्टैंड पर सोमवार शाम पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में गंभीर घायल किशन गुप्ता की मंगलवार शाम करीब 4 बजे जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। किशन की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में परिजन और परिचित पहुंच गए। इसके बाद करीब चार घंटे तक हंगामे और अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। परिजनों ने विधायक कंचन तनवे के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में एक पक्ष का साथ दिया गया। सूचना मिलने पर सीएसपी अभिनव वाग्री, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह, पदमनगर टीआई दिलीप देवड़ा, मोघट टीआई विकास खोंची और कोतवाली टीआई प्रवीण आर्य सहित पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाया और निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। किसी के दबाव में कार्रवाई नहीं की जा रही।

चार दिन पहले भी हुआ था विवाद: बताया जा रहा है कि करीब चार दिन पहले गुप्ता परिवार के एक युवक के साथ यादव परिवार के कुछ लोगों ने मारपीट की थी। इस मामले में गुप्ता परिवार ने पुलिस में शिकायत की थी। परिजनों का आरोप है कि उस समय अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ था। सोमवार शाम नया बस स्टैंड पर हर्षल यादव और गुप्ता परिवार के किशन गुप्ता व संदीप वाघ आमने-सामने हो गए। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इस दौरान धारदार हथियारों का इस्तेमाल हुआ। हमले में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए।

किशन के पैरों और सीने पर चाकू के वार: किशन गुप्ता के दोनों पैरों, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू के वार होने की बात सामने आई है। गंभीर हालत में उसे और उसके भाई को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पिकअप से कूदकर जंगल में भागे सागौन तस्क़र

वन अमले ने 10-12 KM तक पीछा किया, गाड़ी का नंबर बाइक का निकला, 18 कीमती लट्टे जब्त



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा पुनासा वन परिक्षेत्र के तहत फिफरी के जंगल में सागौन की अवैध कटाई की सूचना पर पहुंचा वन अमला आरोपियों के वाहन का करीब 10 से 12 किलोमीटर तक पीछा करता रहा। आरोपियों ने जब देखा कि वन अमला पीछा नहीं छोड़ रहा है तो मोहना और टेमचा के बीच चलती पिकअप की रफ्तार धीमी कर उससे कूदकर जंगल में भाग गए। इसके बाद पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। वन अमले ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें सागौन के 18 लट्टे मिले। वन विभाग के अनुसार, जन्म सागौन की मात्रा 2.424 घनमीटर है, जिसकी कीमत एक लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मुख़बि़र की सूचना पर जंगल में पहुंची टीम : रंजर रॉय सेठ के अनुसार 29 सितंबर को मुख़बि़र से सूचना मिली थी कि दक्षिण फिफरी बीट के जंगल में सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई की जा रही है। सूचना के बाद पुनासा वन परिक्षेत्र का अमला मौके पर पहुंचा और क्षेत्र की घेराबंदी की। इसी दौरान देर रात वनकर्मियों को एक पिकअप वाहन जंगल की ओर से आता दिखाई दिया। वन अमले ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय उसकी रफ्तार बढ़ा दी। इसके बाद वनकर्मियों ने मोटरसाइकिल और शासकीय वाहन से पिकअप का पीछा शुरू कर दिया।

10-12 किमी पीछा करने के बाद कूदे आरोपी: पिकअप ड्राइवर पुनासा-सनावद मार्ग पर वाहन को तेज गति से सनावद की ओर ले जाने लगा। वन अमला भी लगातार उसका पीछा करता रहा। करीब 10 से 12 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद मोहना और टेमचा के बीच आरोपियों ने पिकअप की गति धीमी की और चलती गाड़ी से कूदकर जंगल की ओर भाग निकले। आरोपियों के कूदने के बाद ड्राइवर के नियंत्रण से वाहन बाहर हो गया और पिकअप सड़क किनारे खेत में जाकर पलट गई। वनकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर वाहन की तलाशी ली तो उसमें

सीधी में बेखौफ बदमाश, 3 गाड़ियों में आए, ओडिशा पुलिस को घेरा, कैदी को छुड़ा ले गए

20.98 लाख के गोवंश और वाहन जब्त, सनावद से खरीदकर महाराष्ट्र ले जा रहे थे आरोपी



सीधी में बेखौफ बदमाश, 3 गाड़ियों में आए, ओडिशा पुलिस को घेरा, कैदी को छुड़ा ले गए

वारादात: अधिकारी के अनुसार, जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र में रीवा-सीधी सीमा पर स्थित छुहिया घाटी में दोपहर के समय यह घटना हुई। ओडिशा पुलिस का दल स्वापक (एनडीपीएस) के एक मामले में आरोपी आदित्य मिश्रा को रीवा की अदालत में पेशी के लिए ले जा रहा था।

पुलिस वाहन को घेरा: सीधी के पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने बताया कि ओडिशा पुलिस एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार आरोपी आदित्य मिश्रा को रीवा जिला अदालत में पेशी के लिए लेकर आ रही थी तभी छुहिया घाटी में तीन वाहनों में सवार बदमाशों ने ओडिशा पुलिस वाहन को घेर लिया।

सीधी और रीवा जिलों में नाकेबंदी: सीधी के पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने बताया कि इसके बाद बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया और गोлияं चलाते हुए आरोपी मिश्रा को अपने साथ लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सीधी और रीवा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

सीधी और रीवा जिलों में नाकेबंदी: सीधी के पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने बताया कि इसके बाद बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया और गोлияं चलाते हुए आरोपी मिश्रा को अपने साथ लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सीधी और रीवा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

रतलाम में दूध विक्रेता पर किया था जानलेवा हमला, दो आरोपी पहले से जेल में बंद

● मालीकुआं देवरे के पास चाकू से किया हमला

अजय के अनुसार, जब वह मालीकुआं देवरे के पास पहुंचा तो कार से भोला पाटीदार और उसका भांजा वहां पहुंचे। आरंभ में ही इसी दौरान भोला ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। विवाद होता देखकर दूध बांट रहे विकास गुर्जर, राहुल जाट और अमन माली बीच-बचाव करने पहुंचे। शिकायत के मुताबिक इसके बाद भोला, उसके भांजे और दो अन्य साथियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज और मारपीट की। चाकू से वार किए गए, जिससे विकास और राहुल के कपड़े भी फट गए। भीड़ जुटने पर आरोपी मौके से भाग गए।

● पुलिस ने चाकू, कार और खंजर किया था जब्त

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने फरियादी के घटना के समय पहने कपड़े और घटनास्थल से खून के नमूने जब्त किए थे। आरोपियों को गिरफ्तार कर पुछताछ की गई। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल चाकू, कार और खंजर जब्त किया जांच पूरी होने के बाद चालान कोर्ट में पेश किया।

● भोला और विष्णु पहले से जेल में

मामले में दोषी ठहराए गए भोला पाटीदार और विष्णु उर्फ काला अन्य प्रकरण में पहले से जेल में बंद हैं। वहीं भोला पाटीदार का नाबालिग भांजा नाबालिग होने के कारण उसके खिलाफ प्रकरण बाल न्यायालय में चल रहा है।

ऑंकारेश्वर में डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा

एक घायल का हॉट कटा, दूसरे को कंधे और सिर में चोट



मीडिया ऑडीटर, ऑंकारेश्वर (निप्र)। ऑंकारेश्वर में मंगलवार दोपहर तहसील कार्यालय के पास एक सड़क हादसा हो गया। होटल में काम करने वाले दो युवकों की बाइक को पीछे से एक तेज रफ्तार डंपर (नंबर MP10 H 0248) ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय युवाओं ने मुस्तैदी दिखाते हुए घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ऑंकारेश्वर पहुंचाया।

होटलकर्मि हैं दोनों घायल: हादसे में घायल युवकों की पहचान हो गई है। विजय (18, निवासी ग्राम मोहना) को बतौसी और हॉट पर चोट आई है। विशाल गवली को कंधे और सिर में चोट लगी है। अस्पताल में डॉक्टर रॉय वर्मा और उनकी टीम ने दोनों का प्राथमिक इलाज किया। डॉक्टर का कहना है कि चोटों की गंभीरता को देखते हुए दोनों युवकों को बेहतर इलाज के लिए खंडवा रेफर किया जा रहा है।

बुरहानपुर में 5 वाहनों से 10 बैल बरामद

20.98 लाख के गोवंश और वाहन जब्त, सनावद से खरीदकर महाराष्ट्र ले जा रहे थे आरोपी



मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के निबोला थाना पुलिस ने गोवंश तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच अलग-अलग वाहनों से 10 बैल बरामद किए हैं। पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा है और सभी के खिलाफ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं।

पुलिस के मुताबिक जब्त किए गए गोवंश और वाहनों की कुल कीमत करीब 20.98 लाख रुपए है। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी बैलों को सनावद बाजार से खरीदकर महाराष्ट्र ले जा रहे थे। आरोप है कि इन्हें वहां वध के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस को आरोपियों के पास गोवंश को ले जाने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। बैलों को वाहनों में बांधकर ले जाया जा रहा था।

पांच आरोपियों से दो-दो बैल बरामद : पुलिस ने नीलेश मोतेकर निवासी खामनी को दो बैलों और छोटा हाथी वाहन

● मालीकुआं देवरे के पास चाकू से किया हमला

अजय के अनुसार, जब वह मालीकुआं देवरे के पास पहुंचा तो कार से भोला पाटीदार और उसका भांजा वहां पहुंचे। आरंभ में ही इसी दौरान भोला ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। विवाद होता देखकर दूध बांट रहे विकास गुर्जर, राहुल जाट और अमन माली बीच-बचाव करने पहुंचे। शिकायत के मुताबिक इसके बाद भोला, उसके भांजे और दो अन्य साथियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज और मारपीट की। चाकू से वार किए गए, जिससे विकास और राहुल के कपड़े भी फट गए। भीड़ जुटने पर आरोपी मौके से भाग गए।

● पुलिस ने चाकू, कार और खंजर किया था जब्त

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने फरियादी के घटना के समय पहने कपड़े और घटनास्थल से खून के नमूने जब्त किए थे। आरोपियों को गिरफ्तार कर पुछताछ की गई। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल चाकू, कार और खंजर जब्त किया जांच पूरी होने के बाद चालान कोर्ट में पेश किया।

● भोला और विष्णु पहले से जेल में

मामले में दोषी ठहराए गए भोला पाटीदार और विष्णु उर्फ काला अन्य प्रकरण में पहले से जेल में बंद हैं। वहीं भोला पाटीदार का नाबालिग भांजा नाबालिग होने के कारण उसके खिलाफ प्रकरण बाल न्यायालय में चल रहा है।

भारत की पुरुष और महिला स्वचैश टीम ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट, पक्के हुए दो और मेडल

नागोया,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की पुरुष और महिला स्वचैश टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही भारत के लिए इस खेल में दो मेडल पक्के हो गए हैं। शीर्ष वरीयता हासिल करने वाली और मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने नागोया किंजो फुतो एरिना में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कुवैत को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके बाद भारतीय महिला टीम ने भी सिंगापुर के खिलाफ 2-0 की आसान जीत दर्ज की। इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत की दोनों टीमों अंतिम चार में पहुंच गईं और गोल्ड मेडल की दौड़ में बनी हुई हैं। भारत के पुरुष टीम के अभियान की शुरुआत पूल ए में चीन पर 3-0 की दमदार जीत के साथ हुई, जिसमें सूरज कुमार चंद, वीर छोटराणी और वेलवन सेंथिलकुमार ने अपने-अपने मैच जीते। कुवैत के खिलाफ, शुरुआती मुकाबले में छोटराणी को बदर अलमोगरेबी से कड़ी चुनौती मिली। दूसरा गेम हारने के बाद भारतीय खिलाड़ी ने वापसी की और 34 मिनट में 12-10, 8-11, 11-0, 11-5 से जीत हासिल की।

इसके बाद अभय सिंह कोर्ट पर उतरे। भारत सेमीफाइनल से बस एक जीत दूर था और उन्होंने



अमर अल्लामिमी के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। देश के खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी ने 11-3, 11-4, 11-8 से जीत दर्ज की और निर्णायक मुकाबले की जरूरत के बिना ही टाई अपने नाम कर ली।

अभय नागोया में भारत के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। वह पुरुष सिंगल्स के फाइनल में पहुंचे थे और सेमीफाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को हराकर सिल्वर मेडल जीता था। इससे पहले दिन में, भारतीय महिला टीम ने

क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर को 2-0 से हराकर आगे का सफर तय किया। तन्वी खन्ना ने शुरुआती सिंगल्स मैच में ओ येओंग वाई लिन के खिलाफ भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। मुकाबला पहले तीन गेम तक बराबरी का रहा, लेकिन चौथे गेम में तन्वी ने बहुत बनाते हुए 32 मिनट में 11-6, 4-11, 15-13, 11-1 से जीत हासिल की। इसके बाद अनाहत सिंह ने दूसरे मैच में भारत के लिए जीत पक्की की और टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया। इन नतीजों से स्वचैश में भारत के शानदार प्रदर्शन से दो और मेडल पक्के हो गए हैं। इस खेल में भारत के मेडल टैली में अभय सिंह (पुरुष सिंगल्स) और अनाहत सिंह (महिला सिंगल्स) के सिल्वर मेडल शामिल हैं, जबकि जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने मिलकर मिक्स्ड डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। दोनों टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही भारत ने आइची-नागोया में स्वचैश इवेंट में अपनी मजबूत स्थिति बना ली है। पुरुष टीम, जो पिछली बार की चैंपियन है, एक और फाइनल में पहुंचने की राह पर है, जबकि महिला टीम भी अब अपनी पक्की पोडियम फिनिश को गोल्ड-मेडल मैच में बदलने की कोशिश करेगी।

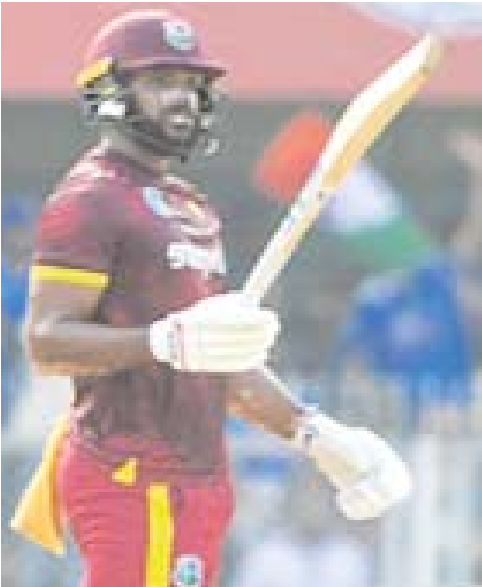
सुनील कुमार ने ग्रीको-रोमन रेसलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा

नागोया,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रेसलिंग इवेंट में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज करवा लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बन गए हैं। हांगझोउ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोडियम पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनाप स्पॉन्सर सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर पकड़ बना ली और



शुरुआती दांव-पेच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक और प्वाइंट्स मिला, जिससे मुकाबले के शुरू होने के 90 सेकंड के भीतर ही भारतीय खिलाड़ी को 5-0 की बढ़त मिल गई।

जॉन कैंपबेल ने रचा इतिहास, वेस्टइंडीज की तरफ से भारत के खिलाफ लगाया सबसे तेज वनडे शतक



गुवाहाटी,एजेसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा वनडे मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट

स्टेडियम में खेला जा रहा है। कैरोबियाई टीम के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने तृतीय शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। जॉन कैंपबेल वनडे क्रिकेट में भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कैंपबेल ने दूसरे वनडे में सिर्फ 65 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। कैंपबेल ने 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। यह रिकॉर्ड उनसे पहले रिकार्डों पॉवेल के नाम था, जिन्होंने साल 1999 में भारत के खिलाफ खेले हुए 72 गेंदों में शतक लगाया था। कैंपबेल ने वेस्टइंडीज की तरफ से वनडे फॉर्मेट में पांचवां सबसे तेज शतक लगाया। 50 ओवर के फॉर्मेट में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है, जिन्होंने 1999 में बांग्लादेश के खिलाफ 45 गेंदों में शतक लगाया था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कीसी कार्टी 10 गेंदों में 9 रन बनाने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद कप्तान शाई होप और जॉन कैंपबेल ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 79 गेंदों में 110 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। कैंपबेल 68 गेंदों में 101 रन बनाकर आउट

हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 148 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 9 चौके और 5 छक्के लगाए। कैंपबेल को गुरनूर बरार ने पवेलियन भेजा। वेस्टइंडीज की टीम ने पहले वनडे में मिली हार के बाद अपनी प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए हैं। वहीं, भारतीय टीम भी एक बदलाव के साथ मैदान पर उतरी है। नीतीश कुमार रेड्डी की जगह पर तेज गेंदबाज आकिब नबी अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे हैं। पहले वनडे में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था और गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। **भारत की प्लेइंग इलेवन:**रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, रवींद्र जडेजा, आकिब नबी, गुरनूर बरार, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा। **वेस्टइंडीज की प्लेइंग इलेवन:** जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, शाई होप (विकेटकीपर/कप्तान), अमीर जांगू, शेरफेन रदरफोर्ड, रोस्टन चेज, कीमो पॉल, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, जेडेन सील्स और विटेल लॉज।

कपिल पोखरिया को करना पड़ा ब्रॉन्ज मेडल से संतोष, सेमीफाइनल में मिली हार



निशियो,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष मुक्केबाज कपिल पोखरिया को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है। कपिल को 90 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान के तुरेबेक खबोबुल्लाव के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले में कपिल तुरेबेक के सामने संघर्ष करते नजर आए और फाइनल में जगह बनाने का उनका सपना साकार नहीं हो सका। हालांकि, वह अपने एशियन गेम्स डेब्यू में ही ब्रॉन्ज मेडल जीतने में जरूर सफल रहे। तुरेबेक ने शुरुआत से ही मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और पहले राउंड को 5-0 से जीता। इसके बाद दूसरे राउंड में भी उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज का दबदबा देखने को मिला और वह राउंड को 4-1 से अपने नाम करने में सफल रहे। कपिल ने वापसी करने का प्रयास किया, लेकिन तुरेबेक ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए और मुकाबले को आसानी से अपने

नाम करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। इससे पहले, भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलोग्राम वर्ग में कजाकिस्तान की मुक्केबाज नताल्या बोगदानोवो को 3-2 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ ही लवलीना ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम अपना सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। लवलीना लगातार दो एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं। सेमीफाइनल में शुरुआती राउंड में लवलीना अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दूर नजर आईं और उन्हें 2-3 के अंतर से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने अपनी रणनीति बदली और मुकाबले पर पकड़ बनानी शुरू की। भारतीय स्टार मुक्केबाज ने दूसरा और तीसरा दोनों राउंड अपने नाम करते हुए मैच का रुख पलट दिया। उनके सटीक और आक्रामक पंचों ने कजाकिस्तान की प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। दूसरे राउंड में सभी पांच जजों ने लवलीना को 10-10 अंक दिए। वहीं, तीसरे राउंड में दो जजों ने उन्हें 10 अंक और तीन जजों ने 9 अंक दिए, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हो गई। हालांकि, भारतीय मुक्केबाज प्रिया घेंगस को सेमीफाइनल में हार के बाद ब्रॉन्ज मेडल के साथ भारत लौटना होगा। उन्हें चीन की यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले के दौरान प्रिया अपनी लय हासिल नहीं कर सकीं और चीनी खिलाड़ी के सटीक हमलों का प्रभावी जवाब देने में नाकाम रहीं।

नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने मिक्स्ड ट्रैप शूटिंग इवेंट में भारत को दिलाया गोल्ड मेडल

ओकाजाकी,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की झोली में एक और गोल्ड मेडल आया है। शूटिंग के मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को इस दुर्लभ टाइट का 9वां गोल्ड मेडल दिलाया। नीरू और किनान की जोड़ी ने 34 प्वाइंट्स अर्जित करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, कतर ने 32 प्वाइंट्स हासिल करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि चीन 23 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहा। ईरान फाइनल में 12 प्वाइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रहा। नीरू का यह एशियन गेम्स 2026 में तीसरा मेडल है। इससे पहले, नीरू ने



महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। इसके साथ

ही उन्होंने व्यक्तिगत ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

वह ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनीं। मिक्स्ड ट्रैप इवेंट के फाइनल में नीरू और किनान ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली सीरीज में 6 प्वाइंट्स हासिल किए, जबकि दूसरी सीरीज में यह भारतीय जोड़ी 16 प्वाइंट्स अर्जित करने में कामयाब रही। तीसरी सीरीज के अंत तक भारत ने 26 प्वाइंट्स हासिल किए और चौथी और आखिरी सीरीज में स्कोर को 34 पर पहुंचाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बुधवार को यह भारत ने तीसरा गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले, आर्चरी के मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में राजेश जाधव और चिकिता तनिपार्थी की जोड़ी ने देश को गोल्ड मेडल

दिलाया। उन्होंने रोमांच से भरपूर फाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया को शूट-ऑफ में हराया। भारत और साउथ कोरिया का स्कोर 157-157 रहा, जिसके बाद विजेता का फैसला शूट-ऑफ से किया गया, जहां भारतीय जोड़ी बाजी मारने में सफल रही। वहीं, भारतीय महिला कंपाउंड आर्चरी टीम ने देश को दिन का पहला गोल्ड मेडल दिलाया। चिकिता तनिपार्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा की तिकड़ी ने फाइनल में चीन को 238-234 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। भारत एशियन गेम्स 2026 में अब तक कुल 9 गोल्ड मेडल जीत चुका है।

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने जीता गोल्ड, फाइनल में चीनी तीरंदाजों को हराया



ओकाजाकी,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारतीय दल का आर्चरी में स्वर्णिम सफर जारी है। भारतीय आर्चरी टीम ने तीसरा गोल्ड जीत लिया है। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम थिरुमुरु वाली भारतीय पुरुषों की कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीता। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम थिरुमुरु की तिकड़ी ने एक रोमांचक फाइनल में चीन के जियाओ लियाओ, जिनयौ लियू और जिन्यू शी को 238-237 से हराकर भारत के कंपाउंड तीरंदाजों के लिए गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत फाइनल में दो पॉइंट से पीछे था और चीन की बढ़त को खत्म करने के लिए उसे एक मजबूत फिनिश की जरूरत थी। तीसरे और पांचवें शॉट में दो 9 के बाद शुरुआती एंड के बाद भारत 58-60 से पीछे हो गया। भारतीय तीरंदाजों ने अगले एंड में छह परफेक्ट 10 के साथ जवाब दिया, लेकिन फिर भी 118-120 से पीछे थे। तीसरे एंड के बाद अंतर एक पॉइंट घटकर 178-179 रह गया, जिससे एक तनावपूर्ण फिनिश की स्थिति बन गई। इसके बाद चीन के जियाओ लियाओ ने 8 का शॉट मारा, जिससे भारत के लिए दरवाजा खुल गया।

‘यह मेरे पिता का सपना था’, गोल्ड मेडल जीतने के बाद बोलीं आर्चर चिकिता तनिपार्थी

ओकाजाकी,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी टीम ने गोल्ड जीता है। राजेश जाधव और चिकिता तनिपार्थी की जोड़ी ने मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया को एक रोमांचक शूट-ऑफ में हराया। जीत के बाद चिकिता तनिपार्थी ने कहा कि यह उनके पिता का सपना था। चिकिता ने देशवासियों से एशियन गेम्स के दौरान एथलीटों को देखने और उनका सहयोग करने की अपील की। जीत के बाद बात करते हुए चिकिता तनिपार्थी ने कहा, 'मैं पदक तालिका बराबर देख रही हूँ। मैं सोच रही थी कि हमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। आखिरकार हमें सोना मिल गया। ओलिंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाली हम पहली भारतीय टीम हैं। मैं शांत रहने और आत्मविश्वास बनाए रखने की कोशिश कर रही हूँ।'



31 अक्टूबर तक पूरे हों आंगनवाड़ी भवन और शौचालयों के निर्माण कार्य

प्रधानमंत्री आवास में लापरवाही पर होगी कार्रवाई सतना के जिला कोऑर्डिनेटर का वेतन रोकने के निर्देश



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक में कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने अश्रु विकास कार्यो को लेकर अधिकारियों को समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए उन्होंने शेष आंगनवाड़ी भवनों और शौचालयों का निर्माण 31 अक्टूबर तक पूरा करने को कहा कमिश्नर ने चेतावनी दी कि निर्माण में अनावश्यक देरी से शासन की राशि का नुकसान होता है और लापरवाही पाए जाने

पर जिम्मेदारी तय की जाएगी प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण की समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने कहा कि निर्धारित समय में आवास पूरा नहीं करने वाले जिला एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी जरूरत पड़ने पर अश्रु आवास की निर्माण राशि की वसूली भी की जाएगी तीसरी किस्त प्राप्त होने के बाद भी आवास पूरा नहीं करने वाले हितग्राहियों से भी नियमानुसार राशि रिकवर करने के निर्देश दिए गए समीक्षा में सतना जिले में

प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण की प्रगति धीमी पाए जाने पर कमिश्नर ने नाराजगी जताई। उन्होंने जिला पंचायत सतना की सीईओ को संबंधित जिला कोऑर्डिनेटर का इस माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए सभी जनपद सीईओ को बल्क में निर्माण सामग्री उपलब्ध कराकर आवास निर्माण में तेजी लाने को कहा गया समूहों के उत्पादों का मध्याह्न भोजन में हो उपयोग आजीविका मिशन की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने समूह से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने समूहों द्वारा तैयार मसाले, अचार, पापड़, मिर्च, धनिया और हल्दी जैसे उत्पादों की मार्केटिंग कराने के निर्देश दिए साथ ही इन उत्पादों का उपयोग मध्याह्न भोजन में करने को कहा रीवा के स्कूलों में समूह के उत्पादों का उपयोग नहीं होने पर संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए एसोडियों के मानदेय का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने को भी कहा बैठक में बताया गया कि 366 नल-जल योजनाएं संचालित हैं, जबकि 8 बंद हैं और 28 योजनाएं पंचायतों की

हस्तांतरित हो चुकी हैं। कमिश्नर ने सभी कर पंचायतों को हैंडओवर करने के निर्देश दिए। सड़क खोदकर रेस्टोरेशन नहीं करने वाले ठेकेदारों से सड़क सुधार करने को कहा गया। ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए सुगम संपर्क परियोजना के तहत बारिश समाप्त होने के बाद सड़क निर्माण शुरू करने पंचायत एवं सामुदायिक भवनों का काम जारी रखने और गौशालाओं में चारा-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया

बिजली की सुविधा नहीं होने वाली गौशालाओं में सोलर लाइट लगाने के निर्देश दिए गए कमिश्नर ने सांसद-विधायक निधि के कार्य समय-सीमा में पूरे कराने के साथ मुख्यमंत्री सेवा संकल्प सेतु के तहत 3 अक्टूबर को ग्राम पंचायतों और 4 अक्टूबर को नगरीय निकायों में शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त वीरेंद्र पटेल, डिप्टी कमिश्नर दिव्या त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे, जबकि जिला एवं जनपद पंचायतों के सीईओ ऑनलाइन शामिल हुए।



डेंगू, चिकनगुनिया नियंत्रण के लिए रिओरिएटेशन प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। डेंगू एवं चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों को रोकथाम एवं नियंत्रण के उद्देश्य से राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य कर्मचारियों का जिला स्तरीय रिओरिएटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम गत दिवस जिला चिकित्सालय सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एंजेडा अनुसार डेंगू एवं चिकनगुनिया के लक्षण, कारण, बचाव के उपाय तथा जांच एवं उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई इसके साथ ही बीमारी फैलाने वाले मच्छरों एवं उनके लार्वा की पहचान, लार्वा नियंत्रण के प्रभावी उपाय, सामुदायिक भागीदारी तथा व्यवहार परिवर्तन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में डेंगू एवं चिकनगुनिया के हॉट स्पॉट की पहचान तथा इनके नियंत्रण के लिए अपनाए जाने वाले प्रतिबंधात्मक एवं आवश्यक उपायों पर भी चर्चा की गई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधाकर पाण्डेय, जिला

मलेरिया अधिकारी डॉ. के.बी. गौतम, श्रीमती सदब खान, वीबीडीसी जिला सलाहकार तथा दिवाकर मिश्रा, सहायक मलेरिया अधिकारी द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों की जानकारी प्रदान की गई प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को हैंड्सऑन ट्रेनिंग भी दी गई तथा लार्वा कंटेनर सर्वे एवं लार्वा निचिरीकरण के लिए आवश्यक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए अधिकारियों ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का उपयोग अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी रूप से करें तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान कर समय पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें उन्होंने सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए आमजन को जागरूक करने और समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया डेंगू फैलाने वाले मच्छर साफ पानी में अंडे देते हैं इसलिए घर एवं आसपास साफ-सफाई रखना और किसी भी पात्र या कंटेनर में तीन से पांच दिन से अधिक समय तक पानी जमा नहीं होने देना आवश्यक है।

चित्रकला में आद्या ने मारी बाजी, भाषण में देव ने हासिल किया चतुर्थ स्थान

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने किया सम्मानित, विद्यार्थियों की उपलब्धि से विद्यालय परिवार में उत्साह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय त्योंथर के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है कक्षा 10वीं की छात्रा आद्या सोनी ने जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कक्षा 8वीं के छात्र देव शुक्ला ने भाषण प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया दोनों विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के हाथों सम्मानित किया गया चित्रकला प्रतियोगिता में आद्या सोनी ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन करते हुए निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं देव



शुक्ला ने भाषण प्रतियोगिता में प्रभावशाली प्रस्तुति देकर चौथा स्थान हासिल किया दोनों विद्यार्थियों की सफलता से विद्यालय परिवार और अभिभावकों में उत्साह का माहौल है विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं की तैयारी कराने

और उनकी प्रतिभा को निखारने में नोडल शिक्षक गोपालजी मिश्रा एवं शिक्षक सोमदत्त शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिका रही शिक्षकों के मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास और निरंतर प्रोत्साहन से विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर अपनी पहचान बनाई विद्यालय

प्रबंधन का कहना है कि शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय उनकी छिपी प्रतिभाओं को मंच देने पर भी जोर दिया जा रहा है। चित्रकला, भाषण सहित विभिन्न सह-शैक्षणिक गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है जिला स्तर पर मिली यह सफलता विद्यालय में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है अभिभावकों ने भी विद्यालय में विद्यार्थियों को मिल रहे मार्गदर्शन और प्रतिभा प्रदर्शन के अवसरों पर प्रसन्नता जताई। आद्या और देव की उपलब्धि ने अन्य विद्यार्थियों को भी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया है।

केएन मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में तीन मरीजों के सफल ऑपरेशन

बच्चेदानी, भगंदर और बवासीर के मरीजों का किया गया सफल उपचार, अस्पताल प्रबंधन ने दी जानकारी



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। क्षेत्र के केएन मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल गढ़ में बुधवार को तीन मरीजों के सफल ऑपरेशन किए गए। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण करने के बाद ऑपरेशन की प्रक्रिया पूरी की गई सभी ऑपरेशन सफल होने की जानकारी दी गई है अस्पताल प्रबंधन



के अनुसार ग्राम भऊखुरी निवासी श्याममती साकेत पति बाबूलाल साकेत का बच्चेदानी संबंधी ऑपरेशन किया गया चिकित्सकीय जांच के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए उनका सफल ऑपरेशन किया गया इसी क्रम में नईगढ़ी क्षेत्र के ग्राम कबरा निवासी शिवकुमार कुशवाहा, पिता ददई प्रसाद कुशवाहा का फिस्टुला (भगंदर) का ऑपरेशन किया गया। चिकित्सकों की निगरानी में

ऑपरेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मरीज को आवश्यक चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया तीसरे मरीज ग्राम बेला कमोद निवासी विकास सिंह, अभिभावक प्रमोद सिंह का बवासीर (पाइल्स) का ऑपरेशन किया गया। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक तीनों मरीजों के ऑपरेशन सफल रहे तथा ऑपरेशन के बाद चिकित्सकीय टीम द्वारा उनकी निगरानी की जा रही है अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि केएन मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में विभिन्न रोगों के उपचार और आवश्यक सर्जिकल सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। अस्पताल में आने वाले मरीजों की जांच के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार उपचार एवं ऑपरेशन की प्रक्रिया तय की जाती है तीन मरीजों के सफल ऑपरेशन के बाद उनके परिवारों ने चिकित्सकीय टीम और अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया अस्पताल प्रबंधन ने मरीजों को ऑपरेशन के बाद चिकित्सकों द्वारा दिए गए आवश्यक निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है।

अभ्युदय 2026 में नवागत विद्यार्थियों को मिला अध्ययन, तथ्य और अनुभव का मंत्र



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विद्यालय के राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विभाग में नवागत विद्यार्थी प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय 2026 का

राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विभाग में नवागत विद्यार्थी प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय 2026 का

आयोजन किया गया कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण दुबे, प्रफुल्ल पारे, प्रो. स्मिता मिश्रा सहित मीडिया एवं कम्प्यूटर विषय के विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों से संवाद किया कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों को अपने आसपास के समाज और क्षेत्र को जानने के लिए प्रेरित किया उन्होंने विंध्य की ऐतिहासिक विरासत, भरहुत जैसी महत्वपूर्ण धरोहरों और भारतीय इतिहास के संदर्भों का

उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने अध्ययन को व्यापक बनाएं उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थी को अपने इतिहास, संस्कृति, कानून और संविधान की जानकारी होनी चाहिए समाज से जुड़े विषयों पर काम करते समय केवल घटना की जानकारी पर्याप्त नहीं होती उसके सामाजिक और संवैधानिक संदर्भ को समझना भी आवश्यक है उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़ने और स्वाध्याय को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की सलाह दी

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण दुबे ने न्यूजरूम और फील्ड रिपोर्टिंग के अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए उन्होंने कहा कि पत्रकार के लिए लगातार पढ़ना और सीखना जरूरी है पहले पढ़ें विषय को समझें तथ्य जुटाएं और उसके बाद लिखें बोलें या खबर करें प्रफुल्ल पारे ने पत्रकारिता में जिज्ञासा और तार्किक दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सवाल पूछना पत्रकार का मूल कौशल है कार्यक्रम में पूर्व विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों ने किया जेल का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जेलों में जाति आधारित भेदभाव या अन्य तरह की भेदभाव पूर्ण प्रथाओं पर नियंत्रण के लिए बोर्ड ऑफ विजिटर्स का गठन किया गया है बोर्ड ऑफ विजिटर्स के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला एवं न्यायाधीश सतीश चन्द्र राय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवानी शर्मा, जेएमएफसी समीर कुमार मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा तथा बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों ने जेल का निरीक्षण किया इनके द्वारा जेल के सभी वाडों, जेल अस्पताल, कारखाना, महिला वाडें, अनाज भण्डारण कक्ष सहित पूरी जेल का निरीक्षण किया गया बंदियों से चर्चा करके उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं की जांच की गई जेल के किचन में बंदियों के लिए तैयार किए जा



रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई बंदियों से संवाद करने पर किसी भी प्रकार का जातिगत अथवा अन्य भेदभाव नहीं पाया गया निरीक्षण के समय उपस्थित जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय ने बंदियों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी निरीक्षण के समय जिला विधिक सेवा अधिकारी अभय मिश्रा, अधिवक्ता आनंद पाण्डेय, उप जेल अधीक्षक संजीव कुमार गेंदले तथा श्याम सिंह कुशवाहा उपस्थित रहे।